खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संपादक - अश्वनी वर्मा
70180-86211
prachandsamay.com

वर्ष-5, अंक-137, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

सुविचार

अगर आप दुनिया से अपने लिए सर्वश्रेष्ठ पाना चाहते है, तो आपको दुनिया की अपना सर्वश्रेष्ठ देना भी होगा।

पहाड़ों की वादियों... पेज-8

राज्यपाल ने परवाणु में जल जनित रोगों की रोकथाम... पेज-6

शिमला, मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक अश्वनी वर्मा

मुद्दा तो कांग्रेस के लिए अपने ही बागी हुए नेताओं का है

प्रचण्ड समय

बागी होकर छह बागी विधायकों ने कांग्रेस को बड़े जख्म दिए हैं। ये सभी विधायक भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इन्होंने कांग्रेस को इतना दर्द दिया है कि मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू या कांग्रेस के लिए चुनाव का ही मुद्दा हो गए हैं। हालांकि मुख्यमंत्री ने जो कुछ इन विधायकों के लिए कहा है उसको लेकर ये बागी मुख्यमंत्री के खिलाफ मानहानि के नोटिस दे चुके हैं। पर इन विधायकों को निजी रूप से ना दिखाने में अब भी मुख्यमंत्री कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अब धर्मशाला में सुधीर शर्मा को लेकर यह कहा कि ये तो प्रवासी हैं जो बैजनाथ को छोड़कर धर्मशाला मे चुनाव लड़ने आए और यहां भी करोड़ों रुपए का मकान बना लिया। पैसा कहां से आया है सब जानते हैं। सबूत भी सामने आएंगे। बतौर मुख्यमंत्री वे तो कई बार विधायक रहे लेकिन इतना पैसा कहां से आएगा। यानी मुख्यमंत्री सीधे सुधीर शर्मा को ललकार रहे हैं , वे भी उनके हलके में जाकर धर्मशाला में। यहीं नहीं उन्होंने सुजानपुर में जाकर राजेन्द्र राणा को भी ललकार है। जाहिर है कि इन बागी नेताओं के खिलाफ मुख्यमंत्री या सरकार की तरफ से निजी हमले इन विधानसभा के उप चुनावों में और तेज होंगे। क्या ऐसे हमले होने चाहिए यह तो चुनाव आयोग ही जानें या फिर भाजपा को ही इनका जवाब देना है। यह रजनीति है इसमें सब उचित है।

पालमपुर हमले पर राजनीति

पालमपुर में महिला पर हुए हमले में राजनीति के अपने- अपने राजनीतिक रंग हैं। मंडी ससंदीय क्षेत्र की कंगना रनौत ने यह कहकर कि उस घायल हमले की महिला का सारा खर्च वे खुद वहन करेगी, कांग्रेस पर बढ़त हासिल की है। पर मुख्यमंत्री कहां चुप रहने वाले थे, उन्होंने कहा कि उस महिला का खर्च सरकार वहने करेगी। पर कांग्रेस कहीं न कहीं चूक जरूर रही है कि कंगना को इस सिलसिले में पहले करने का मौका दे रही है। मुख्यमंत्री पीडित परिवार से मिले तो विपक्ष के नेता जय राम भी परिजनों से मिल आए हैं। अब चुनाव का दौर है तो संवेदनांए तो सभी दल दिखाएंगी ही।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू बोले- हिमाचल में महिलाओं के सम्मान की सरकार, चलेगी पांच साल

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल की जनता समझदार विधायक चुराने वालों को जनता जवाब देगी। यह सरकार गांव, गरीब और युवाओं और महिलाओं के सम्मान की सरकार है। यह सरकार पांच साल चलेगी। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने तो भगवान को चुनौती दी थी, लेकिन वही भगवान सरकार को पांच साल तक चलाएंगे। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सुजानपुर में पत्रकारों के सवाल के जवाब में यह बात कही।

'सुजानपुर का विधायक भी अब मैं ही हूं'

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि जनता की अदालत में नौ विधायकों का फैसला होगा। सरकार को खतरा अल्पमत में होता बहुमत में नहीं। अभी चुनावों को 40 दिन हैं जल्द ही टिकट फाइनल कर दिए जाएंगे। सुजानपुर और हमीरपुर जिला अपना घर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुजानपुर का विधायक भी अब मैं ही हूं और प्रदेश का मुख्यमंत्री भी।

'राजेंद्र राणा ने कभी सुजानपुर आने का नहीं दिया न्योता'

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सवाल यह है कि सुजानपुर में जिसके खिलाफ सालों तक भाजपाई लड़ते रहे क्या उसका झोला उठाकर कार्य करेंगे। पूर्व विधायक राजेंद्र राणा पर तंज कसते हुए सीएम सुक्खू ने कहा कि होली महोत्सव में सुजानपुर में आए थे। प्रशासन की ओर से न्योता दिया गया था। राजेंद्र राणा की ओर से कभी सुजानपुर आने का न्योता तक नहीं मिला। होली उत्सव के लिए भी राजेंद्र राणा को फोन कर आने की खुद सूचना दी। सुजानपुर की जनता ने उनके माध्यम से जो भी मांगा उसे पूरा किया। सुजानपुर अस्पताल में बेड की क्षमता 100 बेड की गई है।

'टौणी देवी कॉलेज के पांच करोड़ स्वीकृत'

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि टौणी देवी कॉलेज के लिए पांच करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। आगामी शैक्षणिक सत्र में इस कॉलेज में कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि बिके हुए पूर्व विधायक राजेंद्र राणा तबादलों के अलावा कोई काम लेकर नहीं आते थे। वह सिर्फ अफसरों की तैनाती के लिए मिले। आपदा के समय भी विधायक की तरफ से क्षेत्र में आने के लिए सूचना नहीं दी। सुजानपुर आने से पहले पूर्व विधायक को चंडीगढ़ से बुलाकर आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। गृह जिला होने के नाते वह जिले के लोगों का दर्द जानते हैं। सुजानपुर से धर्मपुर सड़क को 10 करोड़ से स्वीकृत किया गया है, जोकि चुनावों के बाद कार्य होगा।

'क्रशर माफिया ने रचा सरकार के खिलाफ षड्यंत्र'

बिके हुए विधायक महज क्रशर लगाने के लिए उनसे मिले। जब आपदा में व्यास किनारे माइनिंग बंद की गई तो क्रशर माफिया ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ षड्यंत्र रचा। सुजानपुर की जनता बिके हुए विधायक राजेंद्र राणा से सवाल पूछ रही है कि जिस हाथ के निशान पर वह चुनकर आए उसके साथ दगा क्यों किया।

पति और ससुर ने मिलकर की महिला की हत्या

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश के सोलन शहर से चंद किलोमीटर की दूरी पर सपरून में हुई महिला की हत्या मामले में एक नया मोड़ आया है। पुलिस ने पहले महिला की हत्या के आरोप में पति को गिरफ्तार किया था। वहीं, अब पुलिस ने महिला के ससुर को भी गिरफ्तार कर लिया है। जांच में ये खुलासा हुआ है कि महिला की हत्या में पति के साथ-साथ उसका ससुर भी संलिप्त था। आरोपी पति ने पहले ही जांच के दौरान गुनाह कबूल कर लिया था।
पुलिस के मुताबिक तफ्तीश के दौरान पाया गया कि आरोपी का पिता राकेश कुमार (48) व माता नगर निगम में कूड़ा उठाने के काम करते हैं।
दोनों ने सुबह नगर निगम कार्यालय में हाजरी लगाई थी और अपने काम पर डोर टू डोर कूड़ा उठाने चले गए। तफ्तीश के दौरान मृतका के दोनों बच्चों से भी नियमानुसार पूछताछ की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अवलोकन करने पर पाया गया कि महिला की मौत गला दबाने से हुई है। तफ्तीश के दौरान परिवार के सभी लोगों के कॉल डिटेल, लोकेशन डाटा व कलीन के आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया।

पालमपुर में युवक द्वारा हमले में घायल बिटिया के परिजनों से मिले नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . पालमपुर/सुलह

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिटिया के साथ हुई यह घटना दुःखद है। इस घटना से मन बहुत व्यथित है। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि बिटिया को शीघ्र से शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो। नेता प्रतिपक्ष आज घायल बेटी के निवास स्थान सालन, पालमपुर पहुंचकर परिवारजनों से मिलकर उन्हें हिम्मत दी और उपचार कर रहे डॉक्टर्स से बात इलाज के बारे में जानकारी ली और आगे के इलाज में किसी प्रकार की समस्या न होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वह परिजनों के साथ पूरी दृढ़ता के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि पीजीआई चंडीगढ़ में उपचाराधीन बेटी का स्वास्थ्य पहले से बेहतर है।
इसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने हाल ही में अपराधियों की शिकार हुई युवती के घर पहुँचकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष सुलह विधानसभा क्षेत्र के नलोह गये। जहां हाल ही में एक महिला की हत्या कर लाश को जंगल में फेंक दिया गया था। उन्होंने मृतका के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए मृतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और मामले का जल्दी से जल्दी खुलासा करके दोषी को सख्त से सख्त सजा देने की माँग की।

देश में मोदी के विकास की गारंटी, हिमाचल विकास करने वालों के साथ:जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . मंडी

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि भारत में विकास की एकमात्र गारंटी नरेन्द्र मोदी हैं। केंद्र में दस सालों में उन्होंने जो किया है वह आज तक नहीं हुआ। विकास की गति आगे भी और तेज हो इसके लिए नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का ज़िम्मा देशवासियों ने उठाया है। इस बार देश के कोने-कोने से चार सौ पार की आवाज़ आ रही है। हिमाचल ने भी इसी आवाज़ में अपनी आवाज़ मिलाकर अबकी बार चार की चार के संकल्प से आपसे बढ़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने सिराज विधान सभा क्षेत्र के जनसंपर्क अभियान के दौरान यह बातें कहीं। उन्होंने मंडी संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के लिए भारी से भारी संख्या में मतदान करने की अपील की। इस दौरान उनके साथ सेराज मण्डल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।
नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि नारी, युवा, किसान और गरीब ही नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता हैं। अतःइन सभी के विकास के लिए नरेंद्र मोदी सदैव प्रतिबद्ध हैं। देश को विकसित और आत्म निर्भर बनाने के लिए भाजपा संकल्पित है और उसके लिए ही अपना संकल्प पत्र लेकर आई है। तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने, किसानों के लिए कृषि के क्षेत्रों में सुधार से लेकर आय दुगुना करने और नई तकनीकी के साथ उत्पादों को वैश्विक बाज़ार से जोड़ने की योजनाएं किसानों के जीवन को बदल देंगी। पीएम सूर्य घर योजना एक करोड़ घरों को बिजली बिल फ्री घर के साथ साथ फ्री ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन में बदल देगी। भारत आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक, इलेक्ट्रॉनिक, फार्मा, फ़ूड और इंफ्रास्ट्रूक्चर के हब के रूप में स्थापित करेगा। जो भारत को विकसित बनाने के लिए आवश्यक है।

सरकार उठाएगी पीड़ित बिटिया के इलाज का पूरा खर्च : मुख्यमंत्री

प्रचण्ड समय . पालमपुर

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पालमपुर में बीते दिनों हुई हृदय विदारक घटना की पीड़िता के परिवार के लोगों से सोमवार को मुलाकात की। धर्मशाला से सुजानपुर आते समय मुख्यमंत्री सुलह में नाल्टी दा पुल के पास एकत्रित लोगों से मिले और उनकी बात सुनी। पीड़िता के माता-पिता पीजीआई चंडीगढ़ में बेटी के साथ हैं, इसलिए परिवार के अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री को पूरी घटना के बारे में बताया। उन्होंने हमलावर के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की।
मुख्यमंत्री ने उनकी बात सुनने के बाद कहा कि पालमपुर की दर्दनाक घटना से दुखी हूँ। पीड़ित बिटिया के इलाज का पूरा खर्च हिमाचल सरकार उठाएगी। सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। एसपी कांगड़ा को जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। घटनाक्रम के बाद से रोजाना पुलिस अधिकारियों से अपडेट लिया जा रहा है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। केवल गिरफ्तारी हमारा उद्देश्य नहीं है। ऐसी घटनाओं को क्यों अंजाम दिया जा रहा है, उस दिशा की तरफ बढ़ने की जरूरत है। हम जानना चाह रहे हैं कि इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त है, किसी को कानून तोड़ने नहीं दिया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ खेल मंत्री यादविंदर गोमा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार, कैबिनेट रैंक सुनील शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान आईटी सलाहकार कैबिनेट रैंक गोकुल बुटेल, ओएसडी रितेश कपरेट, चेयरमैन संजय चौहान, विशाल चंबियाल इत्यादि मौजूद रहे।

सुक्खू की सरकार प्रदेश में चुनाव से पहले दंगा कराने जैसी स्थिति बनाना चाहती है : बिंदल

प्रचण्ड समय . शिमला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल ने कहा कि सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की सरकार प्रदेश में चुनाव से पहले दंगा कराने जैसी स्थिति बनाना चाहती है। एक चुने हुए विधायक को भरी सभा में कुटने, मारने, धमकी देने की बात कहते हुए प्रदेश में गुंडो को खुली छूट दे दी जिसका परिणाम हुआ पालमपुर में दिन दिहाड़े युवती के उपर धारदार हथियार से 12 बार वार करके उसे अधमरा कर दिया और एक की जान ले ली, यह मामला रूका नहीं है। मुख्यमंत्री के उपर हम आरोप लगाते हैं कि उनके उकसाने के बाद बद्दी की भयानक घटना हुई जहां सरेआम गोलियां चली। चम्बा की नृशंस हत्या के बाद से लेकर आज तक की सभी घटनाएं इस बात को साबित करती है कि गुंडो को सरकार का संरक्षण प्राप्त है और हिमाचल के अनेक स्थानों की जनता खौफ के साये में जी रही है। एक भी घटना पर मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री व मंत्रियों द्वारा खेद व्यक्त न करना, माफी न मांगना और भी चिंताजनक बात है। सिरमौर में नुक्कड़ सभाओं में डॉ0 बिन्दल ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में जिला सिरमौर के समस्त विकास कार्य कांग्रेस पार्टी ने, कांग्रेस सरकार ने बंद करा दिए हैं। 90 से ज्यादा संस्थान जिनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल, कॉलेज, तहसील, उप तहसील, पटवार सर्कल व अन्य कार्यालय शामिल है और यह कार्यालय जनता को सेवाएं दे रहे थे, चले हुए थे, इन्हें बद करके सिरमौर की जनता के साथ सुखविन्द्र सरकार ने धोखा किया है। सिरमौर का एक मात्र मैडिकल कॉलेज जिसके लिए केन्द्र की भाजपा सरकार ने 265 करोड़ रू0 दिए उसका काम 16 महीने से बंद पड़ा है और उस मैडिकल कॉलेज के स्टाफ का षड़यंत्र के तहत कहीं बदलने का इरादा सरकार रखती है। मैडिकल कॉलेज का काम बंद होने से हजारों-हजारों मरीजो को भारी नुकसान हो रहा है। सिरमौर में पूर्व भाजपा सरकार में जो तेज गति से सड़कों और पुलों का जाल बिछ रहा था व सब कार्य स्टैण्ड स्टिल हो गए हैं केवल एक उद्योग सिरमौर में चल रहा है उसका काम है ट्रांसफर उद्योग। विरोधियों की प्रताड़ना करना, ट्रांसफर करना और भ्रष्टाचार करना यही काम पूरे सिरमौर में चला है।

प्रचण्ड समय

अब रोजाना देखें प्रचण्ड समय का ई-पेपर
www.prachandsamay.com पर

न्यूज ब्रीफ..

दम है तो नायब सैनी शराब और रजिस्ट्री घोटालों की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे_अभय चौटाला

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . इंडियन नेशनल लोकदल ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय पर हरियाणा में लोकसभा की तीन और सीटो के उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। इसके साथ ही तेवर कड़े करते हुए इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने शिकायत मिलने पर पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के खिलाफ जांच कराने के मुख्यमंत्री नायब सैनी के बयान पर कहा कि दम है तो नायब सैनी शराब और रजिस्ट्री घोटालों की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे।

इस दौरान महिला सर्व खाप की अध्यक्ष डॉ संतोष दहिया की अगुवाई में सर्व खाप की पदाधिकारियों ने इनेलो को अपना समर्थन भी घोषित किया। लोकसभा चुनाव को लेकर पूर्व सैनिक एसोसिएशन ने भी अपना समर्थन इनेलो पार्टी को दिया।

अभय सिंह चौटाला ने कहा कि पूर्व सैनिक एसोसिएशन के पदाधिकारी इनेलो मुख्यालय में आए और उनकी मांगों को इनेलो के घोषणापत्र में शामिल करने की अपील की। हम उनकी मांगों को अपने घोषणापत्र में शामिल करेंगे। पूर्व सैनिकों के लिए एक बोर्ड बनाएंगे। वन रैंक वन पेंशन में कई खामियां है जिसको पूरा करने में इनेलो इनका साथ देगी। ये लोग अग्निवीर योजना के खिलाफ हैं और हम इसे खत्म करवाने में इनका साथ देंगे। भाजपा सैनिक स्कूलों का जो निजीकरण कर रही है, इसे बंद कराएंगे। अभय सिंह चौटाला ने एक मई को कुरुक्षेत्र से नामांकन दाखिल करने की भी घोषणा की।

डा. संतोष दहिया ने कहा कि इनेलो को समर्थन देने के कई कारण हैं। जैसे 13 महीने किसान आंदोलन चला जिसमें 700 से उपर किसानों की मौत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से जो वादे किए वो पूरे नहीं किए। जब किसान दोबारा बैठे तब फिर उनका दमन किया गया।

दूसरा कारण था खिलाड़ी बेटियों को सडक़ों पर घसीटा गया। उनकी किसी ने नहीं सुनी। तीसरा कारण हैं पूर्व मंत्री संदीप सिंह ने महिला खिलाड़ी के साथ जबरदस्ती की। बजाय उस मंत्री को बर्खास्त करने के मुख्यमंत्री कहते थे संदीप सिंह के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। सरकार ने हमारे युवाओं को मरने के लिए इजरायल भेज दिया। क्या सरकार उन्हें यहां नौकरियां नहीं दे सकती। हमें आज ऐसी सरकार की जरूरत है जो चौधरी देवीलाल की नीतियों पर चले ।

इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने तीन उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए बताया कि बल्लभगढ़ रियासत के राजा नाहर सिंह के प्रपौत्र सुनील तेवतिया को फरीदाबाद, सेवानिवृत्त एसपी, राष्ट्रपति पुलिस मेडल से सम्मानित एवं द्रोणाचार्य अवार्डी अनूप सिंह दहिया को सोनीपत और सिरसा से संदीप लोट को उम्मीदवार बनाया गया है। संदीप लोट के पिता रामफल लोट ने 2009 में कांग्रेस की टिकट पर नरवाना से चुनाव लड़ चुके हैं। इनके दादा फकीर चंद दो बार विधायक रह चुके हैं।

अभय सिंह चौटाला ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि बीजेपी और जेजेपी लुटेरों का गिरोह है जिन्होंने साढ़े चार साल प्रदेश को लूटा।

आज मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि कोई अर्जी आएगी तो दुष्यंत के खिलाफ जांच करेंगे। शराब घोटाले और रजिस्ट्री घोटाले की जांच हो चुकी है। अगर मुख्यमंत्री में दम है तो इस रिपोर्ट को सार्वजनिक करे और उन लोगों के नाम उजागर करे। आज भी ये लोग भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। अब ये दोनों एक दूसरे पर भड़ास निकाल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी इस भ्रष्टाचार में शामिल हैं। ऐसे 19 घोटाले हैं जिनमें सरकार शामिल हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी खुद घोटालों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर कहा कि कांग्रेस ने देश पर लंबे समय राज किया।

प्रधानमंत्री को इतने छोटे बयान नहीं देने चाहिए। जेजेपी से नेताओं के इस्तीफे पर कहा कि पांच साल पहले कहा था कि जेजेपी नाम लेने वाला कोई नहीं बचेगा। आज उसका नाम कोई नहीं ले रहा। भाजपा ने किसानों को दिल्ली नहीं जाने दिया अब किसान भाजपा के नेताओं को गांव में घुसने नहीं दे रहे। अभय चौटाला ने कहा कि वीरेंद्र मराठा जिस भी पार्टी से चुनाव लड़ेंगे उनको समर्थन देता हूं। आप नेता सुशील गुप्ता पांच साल राज्यसभा के सदस्य रहे। लेकिन इन्होंने एक भी दिन किसान की बात नहीं की। कांग्रेस को लेकर कहा कि उनका कोई संगठन नहीं है। आपस में जूता परेड जारी है। एक दूसरे की विरोध कर रहे हैं। इनका लोगों से कोई सरोकार नहीं है। नवीन जिंदल को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं इनको कोयला चोर कहते थे। अब कौन सी वाशिंग मशीन है जिसमें जिंदल धुलकर कोहिनूर हो गए हैं।

आवश्यक सेवाओं में तैनात कर्मी डाक मतपत्र से कर सकेंगे मतदान- डॉ मदन कुमार

प्रचण्ड समय . मंडी

अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ मदन कुमार ने आज यहां आवश्यक सेवाओं की श्रेणी के विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्गीकृत आवश्यक सेवाओं में तैनात कर्मी अनुपस्थित मतदाताओं के रूप में डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने के लिए पात्र होंगे।

इस सुविधा के लिए आवश्यक सेवाओं में तैनात व्यक्तियों को नोडल अधिकारियों द्वारा प्रमाणित किया जाना आवश्यक होगा कि मतदान के दिन वे ड्यूटी पर तैनात हैं।

उन्हें संबंधित सहायक रिटर्निंग अधिकारी को फार्म 12 डी जमा करवाना होगा। उन्होंने जिला स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारियों को इस कार्य को पूर्ण करने के लिए मंडी जिला की सभी विधानसभाओं में दो दिन के भीतर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं।

उन्होंने कहा कि पहली मर्तबा आवश्यक सेवाओं के तहत चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और एम्बुलेंस सेवाएं, अग्निशमन विभाग के आवश्यक डयूटी कर्मचारी, लंबे रूटों पर तैनात चालक और परिचालक, दुग्ध प्रसंघ और सहकारी समितियों के दूध आपूर्ति सेवा में तैनात कर्मचारी, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत मीडियाकर्मी, पंप ऑपरेटर और टर्नर, इलेक्ट्रीशियन और लाइनमैन के अलावा आवश्यक सेवा पर तैनात जेल कर्मचारियों को शामिल किया गया है।

एडीएम ने कहा कि आवश्यक सेवाओं में तैनात सभी व्यक्ति, जिन्होंने डाक मतपत्र श्रेणी के लिए आवेदन किया है, उन्हें फार्म पर हस्ताक्षर और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा।

उन्होंने कहा कि उन्हें पोस्टल बैलेट सेंटर (पीबीसी) स्थल के पूरे पते, तिथि और समय के बारे में एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जब मतदाता का पीबीसी में मतदान करने के लिए आवेदन स्वीकृत हो जाता है और किसी कारणवश वह पीबीसी में मतदान के लिए उपस्थित नहीं हो पाता है तो वह कहीं पर भी मतदान नहीं कर सकता है।

बैठक में एएसपी सागर चंद्र, तहसीलदार निर्वाचन राजेश शर्मा, संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

रियलमी ने रियलमी पी सीरीज़ 5जी लॉन्च की

प्रचण्ड समय . शिमला

भारत के सबसे विश्वसनीय स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने अपनी लेटेस्ट रियलमी पी सीरीज़ में 5जी स्मार्टफोन - रियलमी पी-1 प्रो 5जी और रियलमी पी-1 5जी लॉन्च किए हैं। ये दोनों अत्याधुनिक डिवाइस अपनी शानदार परफ़ॉर्मेंस और असाधारण यूज़र अनुभव के साथ मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचा देंगी। ये भारतीय ग्राहकों को फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध होंगी। नई पी सीरीज़ के साथ रियलमी अपना रियलमी पैड 2, वाई-फाई वैरिएंट और रियलमी टी110 बड्स भी लॉन्च करेगा।नई रियलमी पी सीरीज 5जी "परफ़ॉर्मेंस और डिस्प्ले के मामले में सर्वश्रेष्ठ" होने के साथ शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। इन स्मार्टफोन्स का डिज़ाइन रियलमी के डीएनए के अनुरूप बोल्ड और बाजार में नया है, जो यूज़र्स को मोहित कर देगा।रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, "हमें रियलमी पी सीरीज़

5जी पेश करने की खुशी है। यह स्मार्टफोन उद्योग में परफ़ॉर्मेंस के नए मानक स्थापित कर देगा। रियलमी पी सीरीज़ 5जी के साथ हमने अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और आधुनिक फीचर्स पेश किए हैं, जो मिड-रेंज सेगमेंट की परिभाषा बदल देंगे। साथ ही हमने नई पी सीरीज़ के साथ रियलमी पैड 2, वाई-फाई वैरिएंट और रियलमी टी110 बड्स भी लॉन्च किए हैं। हमारा मानना है कि ये स्मार्टफोन और एआईओटी उत्पाद इनोवेटिव और ट्रेंडसेटिंग स्मार्टफोन पेश करने वाले ब्रांड के रूप में हमारी प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे। हम इस साल नई पी सीरीज़ के लॉन्च के साथ फ्लिपकार्ट पर 50 मिलियन बिक्री का आंकड़ा छूना चाहते हैं।"

सिरमौर में 100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता होंगे सम्मानित

प्रचण्ड समय . नाहन

सिरमौर जिला में मतदाता जारूगता कार्यक्रमों के अन्तर्गत 100 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं को सम्मानित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। जिला स्तरीय कार्यक्रम 27 अप्रैल को नाहन के एसएफडीए हॉल में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में नाहन क्षेत्र के 100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं को सम्मानित किया जायेगा। विधानसभा सभा क्षेत्रों के स्तर पर भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा ने यह जानकारी आज सोमवार को नाहन में प्रदान की है। सुमित खिमटा ने कहा कि "मतदान का त्यौहार, सिरमौर है तैयार" शीर्षक से जिला स्तरीय सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम (स्वीप) के तहत इस जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र की मजबूती में अपनी अहम भूमिका निभा सकें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं के अलावा दिव्यांगजन मतदाताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही नव मतदाताओं को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित गया है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में आधार पंजीकरण और निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगेगा सुमित खिमटा ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर आधार पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच शिविर, वोट पंजीकरण आदि सुविधाओं के साथ-साथ सेल्फी प्वांइट भी स्थापित की जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग वोट के महत्व के बारे में जागरुक हो सकें।

भारत के पहले स्वदेश में विकसित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा ने 1000 सर्जरियों की उपलब्धि हासिल की

प्रचण्ड समय . चंडीगढ़

भारत के पहले सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स दुनिया भर के मरीज़ों के लिए रोबोटिक सर्जरी को किफ़ायती एवं सुलभ बनाने के लिए प्रयासरत हैं। कंपनी ने आज बताया कि एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की मदद से 1000 रोबोटिक सर्जरियों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा चुका है जो एक और उल्लेखनीय उपलब्धि है।पहले एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम को जुलाई 2022 में नई

दिल्ली के रोहिणी स्थित राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट में इंस्टॉल किया गया था। 2 सालों की छोटी सी अवधि में एसएसआई मंत्रा को देश भर भर में और दुबई में 30 से अधिक अस्पतालों में इंस्टॉल किया जा चुका है।इसे विश्वविख्यात जॉन्स हॉपकिन्स युनिवर्सिटी,बाल्टीमोर,यूएसए में भी अध्यापन और प्रशिक्षण के लिए इंस्टॉल किया गया है।

एसएस इनोवेशन्स के संस्थापक एवं चेयरमैन और सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव, जिन्हें रोबो डॉक्टर भी कहा जाता है के अनुसार यह देखकर अच्छा लगा है कि मामूली सी शुरूआत के बाद हमारी टीम के समर्पण और प्रयासों तथा देश एवं दुनिया भर के सर्जनों के सहयोग से हमारे आधुनिक एसएसआई मंत्रा सिस्टम ने 1000 सफल सर्जरियों की उपलब्धि हासिल कर ली है। मैं सभी के प्रति आभारी हूं जिन्होंने सभी के लिए गोल्ड स्टैण्डर्ड की किफ़ायती स्वास्थ्य सुविधाओं को देश भर के मरीज़ों के लिए सुलभ एवं किफ़ायती बनाने के हमारे दृष्टिकोण में योगदान दिया है।ये सुविधाएं आज उन लोगों के लिए सुलभ हो रही हैं जो आधुनिक देखभाल से वंचित थे।30 से अधिक इंस्टॉलेशन्स और 1000 सफल सर्जरियों के साथ हमने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर ली है।

मेरा मानना है कि एसएसआई मंत्रा में अगले कुछ सालों के दौरान भारत एवं दुनिया का सबसे ज़्यादा काम में आने वाला सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम बनने की क्षमता है।

राजस्व अधिकारी 2 वर्ष से पुराने मामलों का जल्द करे निपटारा - अनुपम कश्यप

प्रचण्ड समय . शिमला

निशानदेही, तकसीम, रिकवरी, 2 व 3 बिस्वा भूमि आबंटन, अतिक्रमण एवं राजस्व से जुड़े अन्य लंबित मामलों का न्यूनतम समय अवधि में करें निपटारा, ताकि आमजन के समय और धन की बचत हो सके। यह निर्देश आज उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने राजस्व विभाग की जिला स्तरीय बैठक में उपस्थित राजस्व अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों का समयबद्ध तरीके से निपटारा करना राजस्व अधिकारियों का प्राथमिक कार्य है। उन्होंने 2 वर्ष से पूर्व की अवधि वाले लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने को कहा। उन्होंने कहा कि जमीन की उपलब्धता न होने के कारण जो पैसा उपमण्डलाधिकारियों के पास लंबित पड़ा है, उसकी सूचना जिला कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें ताकि उस पैसे का सदुपयोग अन्य विकास कार्यों में लाया जा सके।

अनुपम कश्यप ने कहा कि जिला में रिकवरी के काफी मामले लंबित पड़े हुए हैं, इस दिशा में भी उचित कार्यवाही करते हुए अधिकारियों को उन पैसों की रिकवरी करने की आवश्यकता है ताकि विभाग को किसी भी प्रकार की आय का नुकसान न हो।

उपायुक्त ने कहा कि आगामी बरसात के मौसम के दृष्टिगत हमें तैयारियां तत्काल प्रभाव से करने की आवश्यकता है ताकि इस दौरान लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने क्षेत्र में असुरक्षित भवनों आदि को चिन्हित कर उस पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी न हो।

उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ सेब सीजन जिला में एक महत्वपूर्ण घटक है, इस दृष्टि से भी हम सभी को कार्य करने की आवश्यकता है ताकि बागवानों एवं किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव का समय है। इस समय अधिकतर राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर कार्य करना पड़ता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को इस दौरान क्षेत्र में आगामी बरसात एवं सेब सीजन के दृष्टिगत भी मुआयना करने को कहा ताकि चुनाव के उपरांत इस दृष्टि से कार्य किया जा सके।

अनुपम कश्यप ने कहा कि चुनाव के दौरान सभी लोग जिम्मेदारी से कार्य करे तथा इस दौरान किसी भी प्रकार की कोताही न बरते ताकि चुनाव का सफल निष्पादन हो सके।

उन्होंने सभी अधिकारियों को चुनाव के सभी प्रोटोकॉल की अनुपालना सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक वर्मा, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी (प्रोटोकॉल) ज्योति राणा, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था) अजीत भारद्वाज, जिला राजस्व अधिकारी संचित शर्मा, जिला के समस्त उपमण्डलाधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

युवाओं को मतदाता सूची में जोड़ने के लिए लगेंगे विशेष शिविर

प्रचण्ड समय . ऊना

ऊना जिले में पात्र युवाओं को मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इसे लेकर विस्तृत योजना बनाई गई है। एडीसी ऊना महेंद्र पाल गुर्जर ने सोमवार को जिला के समस्त कॉलेज, आईटीआई व स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ डीआरडीए हॉल में बैठक कर इस विशेष अभियान को लेकर चर्चा की।

उन्होंने प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए कि वे अपने संस्थानों में विशेष शिविरों के माध्यम से पात्र युवाओं को मतदाता सूची में पंजीकरण करवाने के लिए प्रेरित व जागरूक करें ताकि कोई भी पात्र युवा वोट के अधिकार से वंचित न रहे।

एडीसी ने बताया कि जिला में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 18074 पात्र युवा हैं, जिनमें से 22 अप्रैल, 2024 तक 10,200 पात्र युवाओं ने अपना नाम निर्वाचन नामावली में दर्ज करवाया है। शेष पात्र युवाओं को विशेष शिविरों के तहत प्रेरित व जागरूक कर मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। उन्होंने प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए कि 1 अप्रैल, 2024 तक 18 वर्ष पूर्ण कर चुके पात्र युवाओं का पंजीकरण 4 मई, 2024 तक करवाना सुनिश्चित बनाएं ताकि सभी युवा लोकतंत्र की मजबूती में अपनी भागीदारी सुनिश्चित बना सकें।

एडीसी ने कहा कि युवा अपना वोटर हेल्पलाईन ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन पंजीकरण भी करवा सकते हैं। मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने के लिए पात्र मतदाता फॉर्म नंबर 6 लेकर अपना एक रंगीन पासपोर्ट आकार का फोटो, आधार संख्या, आयु और निवास के प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि के साथ अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवा सकते हैं।

महेंद्र पाल गुर्जर ने कहा कि जिला में मतदान की प्रतिशतता को बढ़ाने के लिए प्रशासन की ओर से निरंतर प्रयास किए जा रहे है। जिला में स्वीप कार्यक्रमों के अंतर्गत स्कूलों व ग्राम पंचायतों नारा लेखन, हस्ताक्षर अभियान, दीवार लेखन, चुनाव पाठशाला, चुनावी साक्षरता क्लबों व नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से आम लोगों को वोट के महत्व बारे जागरूक व प्रेरित किया जा रहा है।

इस अवसर पर तहसीलदार निर्वाचन समुन कपूर, जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ..

दुष्यंत के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच का ऐलान कर नायब सैनी ने जेजेपी को बचाव की हालत में किया खड़ा

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा में भाजपा ने अपने पूर्व सहयोगी दल जेजेपी को लोकसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक रूप से बचाव की हालत में खड़ा कर दिया है। एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बयान दिया था कि अगर शिकायत मिलती है तो पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के खिलाफ जांच करवाई जाएगी। सैनी ने कहा कि दुष्यंत के खिलाफ उन्ही की पार्टी के विधायको ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए है। नायब सैनी के इस बयान कई मायने निकलते है।इसका मतलब यह भी है कि मनोहर लाल के मुख्यमंत्री रहते सरकार भ्रष्टाचार की अनदेखी कर रही थी और विपक्ष के आरोप सही थे। नायब सैनी ने पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि दुष्यंत चौटाला अपने गिरेबान में झांकें। दुष्यंत ने क्या किया है, क्या नहीं किया। वह देखें। उनके विधायकों ने ही उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। हम पारदर्शिता के आधार पर काम कर रहे हैं। दुष्यंत चौटाला की पार्टी के निशान पर चुनाव जीतकर आने वाले विधायक ही उन पर गंभीर आरोप लगा चुके हैं। उनके विधायक उनके खिलाफ खड़े हैं। हमारे पास कोई एप्लीकेशन आएगी, तो उसकी अवश्य जांच करवाई जाएगी। मनोहर लाल सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे दुष्यंत चौटाला के पास 11 प्रमुख विभाग थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री के ऊपर शराब घोटाला, रजिस्ट्री घोटाला, धान घोटाला और हिसार एयरपोर्ट की जमीन खरीद में घोटाले के आरोप लग चुके हैं। इन आरोपों पर दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला कई बार सफाई भी दे चुके हैं। दिग्विजय चौटाला ने यहां तक कहा था कि भ्रष्टाचार के आरोपों की तमाम रिकार्डिंग पार्टी के पास मौजूद है। हम सिर्फ इसलिए चुप थे कि समय आने पर जवाब देंगे। जजपा के विधायक एवं पूर्व मंत्री देवेन्द्र बबली ने मनोहर सरकार को अब तक की 'सबसे भ्रष्ट सरकार' बताया था। नारनौंद से जजपा विधायक रामकुमार गौतम ने टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग में 'सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार' होने का दावा करते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री खट्टर ईमानदार आदमी है, लेकिन कई लोगों के इरादे ठीक नहीं है। उन्होंने कहा था कि अंदर ही भ्रष्टाचार है।

आईईसी विश्वविद्यालय ने आईसीएफएआई द्वारा अधिग्रहण की झूठी अफवाह का किया खंडन

प्रवीण शर्मा, बद्दी . प्रवीण शर्मा प्रचंड समय 2024, जिला सोलन स्थित आईईसी विश्वविद्यालय का अधिग्रहण आईसीएफएआई विश्वविद्यालय द्वारा किए जाने की झूठी अफवाह का आईईसी विश्वविद्यालय की मैनेजमेंट ने कड़े शब्दों में खंडन किया है। उन्होंने कहा है कि आईईसी विश्वविद्यालय छात्रों को शोध एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और निरंतर अपने मूलभूत सिद्धांतों के आधार पर शिक्षा प्रदान कर रहा है। हाल ही में आईईसी यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने के इरादे से कुछ शरारती तत्वों द्वारा छात्रों और अभिभावकों के बीच ऐसी अफवाहें फैलाई जा रही थी, जिसे आईईसी विश्वविद्यालय ने पूरी तरह से नकार दिया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि आईईसी विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश निजी शैक्षणिक संस्थान नियामक आयोग और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना निरंतर जारी रखेगा और छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि किसी भी तथ्यहीन अफवाह पर ध्यान न दें। आपको बता दें कि आईईसी विश्वविद्यालय का गठन हिमाचल प्रदेश राज्य विधानमंडल द्वारा "आईईसी विश्वविद्यालय अधिनियम" 2012 के अंतर्गत किया गया है, और आज यह राज्य के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त, यह विश्वविद्यालय यूजीसी के अधिनियमों के अंतर्गत डिग्री प्रदान करता है, और बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया एवं इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट जैसे प्रतिष्ठित निकायों द्वारा अनुमोदित है।

"लोकतंत्र के लिए पौधारोपण" नाम से नूरपुर उपमण्डल प्रशासन द्वारा सभी 117 मतदान केंद्रों पर पौधे रोपित किए गए

बेबाक शर्मा रघुनाथ . नूरपुर

संसदीय चुनावों में मतदाताओं को उनके वोट का महत्व समझाने व लोकतंत्र के महापर्व में उनकी शतप्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित बनाने के लिए नूरपुर उपमण्डल प्रशासन प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्व पृथ्वी दिवस पर आज सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सभी 117 मतदान केंद्रों पर उपस्थित अधिकारियों, स्थानीय बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर व जनमानस द्वारा 'लोकतंत्र के लिए पौधारोपण'

नाम से पौधे रोपित किए गए जिनमें नीम, हरड़, आंवला, इलायची, लौंग, अश्वगंधा, बड़, पीपल आदि प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। उपमंलाध्यक्ष चुनाव प्रवन्धक एसडीएम गुरसिमर सिंह ने जानकारी दी है कि लोकसभा चुनावों के अंतिम चरण में पहली जून को मतदान सम्पन्न होगा। मतदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए गांव स्तर तक सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता अभियान चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोगों को उनके वोट का महत्व समझाने के साथ मतदान प्रक्रिया के प्रति प्रेरित किया जा सके। उन्होंने बताया कि आज विश्व पृथ्वी दिवस पर लोगों को पृथ्वी के प्राकृतिक पर्यावरण तथा वन संपदा के संरक्षण के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से पौधरोपण किया गया। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए अपने घर आँगन में पौधरोपण करने और मतदान प्रक्रिया में अपनी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इस मौके पर एसडीएम गुरसिमर सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक अशोक रतन तथा डीएफओ अमित शर्मा ने भी पौधरोपण किया।

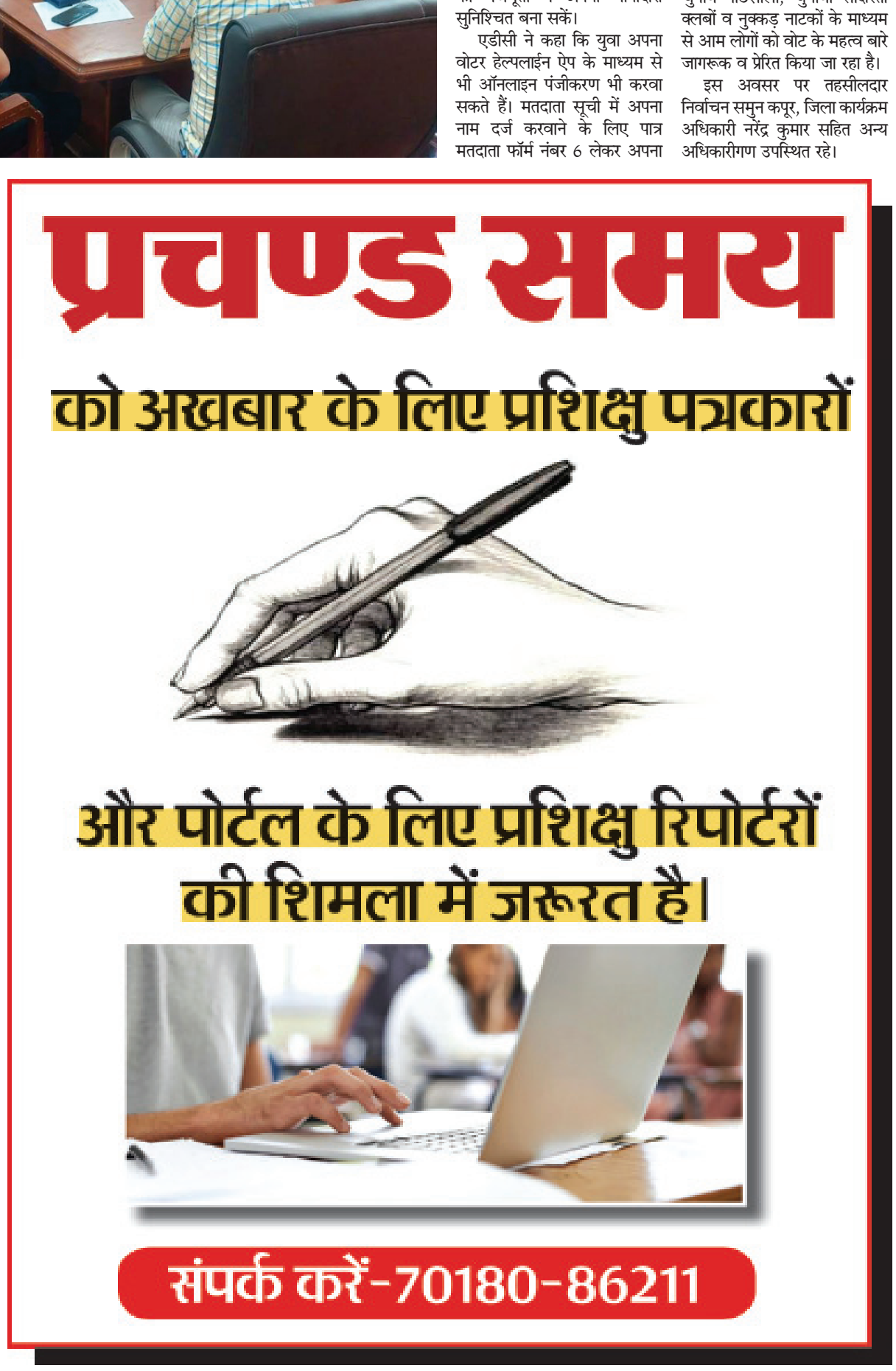

सुर संवाद जिंदगी की सांसे

दुनिया मेरे आगे

प्रो.(डॉ) कृष्ण कुमार रतू

हिंदी पंजाबी के सुपरिचित लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ

यह जीवन चलते रहने का एक निरंतर गतिशील लम्हा है और यही समय का सच है ।

जिंदगी की गतिशीलता बनी रहे तो यह आने वाली नस्लों के लिए श्रेष्ठ संस्कृतियों के इतिहास की विरासत संरक्षित रहती है । यह जिंदगी थम जाए तो शेष स्मृतियों में विरासत एवं इतिहास का पन्ना शेष नहीं रहता।

समय के इस कालचक्र में और यह संवाद जिंदगी की सांसे है और यह निरंतर चलती रहनी चाहिए । समय के बदलते हुए इस नई सूचना प्रौद्योगिकी के युग में जिस तरह से समूचे विश्व में इस भागम भाग तथा ग्लैमर की चकाचौंध में मानवीय मूल्य की एक नई पहचान हमारे सामने एक नया इतिहास रच रही है।

इन दिनों सच यह है कि यही अब समय का यथार्थ है और इसे ही जीना होगा । पिछले दशकों में विज्ञान के नए तौर तरीकों ने तथा नई सूचना संप्रेषण क्रांति की त्वरित गति ने आज के समाज तथा समाज में रहने वाले हर उम्र के बाशिंदे को पूर्णता बदल दिया है और यह बदलाव अब हमारी जिंदगी का हिस्सा है अब इसी के साथ ही हमने अपनी आने वाली नस्लों के लिए अपनी इतिहासक विरासत की संस्कृति को सहेज कर रखना होगा ।

इन दिनों जिस तरह के परिदृश्य में एवं जिस तरह के बदलते हुए प्रवेश में हम भारतीय जिंदगी अर्थात महानगरों से सिदूर गांव की जिंदगी में बदलावों को आमंत्रित किया है वह समय की आवश्यकता है परंतु यदि हमने अपनी विरासत इतिहास तथा पुरखों की पहचान को नष्ट कर दिया अर्थात उसको अंगीकार नहीं किया तो फिर हम जो अगली पीढ़ी तथा जिस समय में हम भविष्य में अपनी पहचान दुनिया के सामने बनाएंगे वह कुछ अलग तरह की होगी ।

हमारी उस बदली हुई पहचान में भारतीयता नहीं होगी और भारतीयता में रमा हुआ सद्भाव एवं अपनापन कहीं गायब हो चुका होगा । मुझे इस समय ऑस्कर की एक फिल्म याद आ रही है जिसे डॉक्युमेंट्री फिल्म की श्रेणी में द लास्ट रिपेयर शॉप नाम की एंट्री से भी पहचाना गया था। शेष स्मृतियां तथा संस्कृति की पहचान के पीछे इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म में गहरा संवेदनशील बदलाव दिखाया गया है जिसमें एक हारमोनियम की दुकान को बंद होते दिखाया गया है और उसके दुकानदार जो असल में मरम्मत करने वाले होते हैं, स्टीव नाम के इस व्यक्ति के डायलॉग उसमें पूरी दुनिया के इतिहास तथा बदलाव को एक नई दृष्टि से सूत्रपात देते हैं । जब वह कहता है कि मैं यह देख सकता हूं जब एक इंस्ट्रूमेंट अर्थात साज टूटता है और कहीं एक विद्यार्थी, अर्थात और को प्रेम करने वाला, यह संभव नहीं है ।

उसकी जिंदगी बदल सकती है परंतु यह जिंदगी की उन नकारात्मक पहलुओं को भी दिखती है कि किस तरह से एक मरम्मत की दुकान बंद होने से सुर संवाद सब कुछ पीछे छूट जाता है और यह एक उस पहचान की उम्मीद भरी दास्तां है जिसके साथ-साथ आपका सुर संवाद जुड़ा हुआ होता है क्योंकि यह समाज को जोड़ता है और इसको जब मैं अपने वर्तमान समाज के बदलते हुए परिवेश के साथ जोड़कर देखता हूं तो लगता है हम सब ने सुर संवाद की अनेकों मरम्मत की दुकानों को ताले लगा दिए हैं।

अपनी पहचान को हमने दफ़न कर दिया है । आज हमारे पुराने संगीत के साजों की दुकानें बीते हुए की बात बन गई है और नए सामान में किसी की रुचि नहीं है।

हमारा नया संगीत जो शोर संगीत का अभिप्राय एवं पहचान बन गया है वह रूह को भिगो देने वाले संगीत के संवाद की पहचान की प्रतिस्पर्धा में कहां रहेगा ।

प्रचण्ड समय

यही आदमी के विकास से रुकने की एक नई कहानी है चेष्टा है । यह भी सच है कि आज जैज़ म्यूजिक तथा संगीत के साथ-साथ संवाद के अन्य माध्यम हमारे सोशल मीडिया के कारण इतनी एडवांस स्थिति में पहुंच गए हैं कि त्वरित गति से संदेश आजकल रोशनी से भी ज्यादा त्वरित गति से गतिशील, गतिमान एवं आपके हाथ में जादू की चीज मोबाइल पर झट से आपको जोड़ देते हैं ।

इस समय यह एक नया ट्रेंड है ।

अब संगीत और सुर का स्थान कहां है । हमने वह स्पेस ही ख़त्म कर दी है जिसमें संगीत के स्वर से जिसमें भावनात्मक संवाद अर्थात पारिवारिक पृष्ठभूमि का एक नया मंजर था । यह परिदृश्य सौहार्द तथा प्रेम का एक ऐसा उदाहरण था ।

यह ठीक वैसे ही है जैसे हमने चिट्ठियां लिखनी छोड़ दी और भावनात्मक संबंधों से व्हाट्सएप तथा अन्य माध्यमों से वीडियो कॉल के जरिए बात हो जाती है परंतु संवेदना का सच और स्नेह जो हस्तलिखित में आपके लिखे हुए अक्षरों से दूसरे आपके किसी अपने के पास पहुंचता है तो वह आपकी स्मृतियों में आपके लिए रुह से दिल का सफर करता है और यह दिल भी लगता है कमबख्त आजकल बदल गया है क्योंकि उसने भी जीना है परंतु यह भी सच है कि इस तरह के संवाद के पीछे जो सबसे बड़ा सच है वह यह है कि हमने अपनी रचनात्मकता को शून्य कर दिया है अर्थात छोड़ दिया है और इस समय पर यदि मैं अपने संवाद को सूरत से देखूं तो कह सकता हूं कि हमने प्रेम की परिभाषा ही बदलता है जो समाज को जोड़ती थी।

हम अब मुसीबत में मुस्कुराते नहीं है । इन दिनों हम सोशल मीडिया की शरण में चले जाते हैं परंतु जिंदगी में और संवाद वह ताकत है जो संकट में आपकी सारी की सारी शक्ति एवं ताकत को इकट्ठा करके रख सकता है और इसी आत्म चिंतन से आप साक्षी बन सकते हैं और यदि यह इसी तरह होता रहा तो यह भी सच हो जाएगा कि हमारी सही स्मृतियों में हमारे इतिहास में सवार संवाद को इस तरह से जंग लग जाएगा और यह स्थिरता से उसे इतिहास में बदल जाएगा जिसमें लिखा गया है और देखा गया है कि पानी खड़ा-खड़ा अथवा पानी रुक जाए उसके बहाव में उसकी शुद्धता खत्म हो जाती है तथा यह इसी प्रकार से है कि यदि अच्छा बिताया हुआ और संवाद का समय एक सुख जीवन की नई परिपाटी को लेकर आता है ।

यह एक नई प्रक्रिया में आपको जोड़ता है परंतु यह भी सच है कि जीवन जीने की कला को सिखाती लियोनार्दो डा विंची की यह रंगों से खेलती हुई उंगलियां एवं ब्रश ने ही तो मोनालिसा जैसे शाहकार को जन्म दिया था । इन दिनों नया आदमी महानगर तथा तकनीक की एआई तथा आभासी दुनिया का यह आदमी पूरी की पूरी विश्व की नई नस्ल अपनी इस आभासी मुस्कान तथा अपने स्वर संवाद को कहां छोड़ती रही है ।

यह, यदि इसी तरह यह चला रहा तो आने वाले दिन आपकी पहचान के लिए वह दिन होंगे जब आपकी पहचान सिर्फ आभासीय दुनिया की एआई की तकनीक से डीप फेक का शिकार हुई विकृत कृति में बदल जाएगी ।

आज आदमी का सच यह तो नहीं है ।आदमी का सच तो सुर और संगीत सहजमन तथा शांति के साथ जीने की उस संस्कृति का नाम है जिसमें जिंदगी मुस्कुराती रहे और जिंदगी फूलों से हर सुबह एक नया संदेश दे के आने वाला दिन शुभ हो ।

आने वाला समय हमारे सारी दुनिया के लिए उन फूलों को ऊर्जा दे जिनकी खुशबू से जिंदगी का यह चमन महक उठे औरमहकती हुई इस खुशबू के एहसास के पल किसी नई रोशनी को साथ किसी नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़े । यही आदमी का इतिहास है और यही आदमी का जिंदा और रूह में भीगा हुआ सुर और संवाद है और इसी शुभ संवाद का विषय ही आदमी को आने वाली कई वर्षों की नस्लों के लिए जिंदा रखेगी ।

यह सुर संवाद की ताकत है , तो फिर चलिए क्यों ना इसको बचाने के लिए हम कभी-कभी आज की आभासी दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति के और संवाद का आनंद और लुत्फ ले सके ।

यह जिंदगी चार दिन की है , पता नहीं कब बीत जाए .....।

डा कृष्ण कुमार रत्तू
9/850
मालवीय नगर जयपुर राजस्थान 30 20 17
मोबाइल 9478730156

सूरत में निर्विरोध चुने गए बीजेपी प्रत्याशी मुकेश दलाल, कांग्रेस ने कहा लोकतंत्र ख़तरे में

गुजरात के सूरत में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार नीलेश कुंभानी का पर्चा रद्द होने के बाद अब नया मोड़ आ गया है।

कांग्रेस उम्मीदवार का पर्चा रद्द होने के बाद बाक़ी सभी निर्दलीय उम्मीदवारों ने पर्चा वापस ले लिया है जिसके बाद बीजेपी उम्मीदवार को निर्विरोध चुन लिया गया है।

बीबीसी गुजराती सेवा के मुताबिक सूरत के कलेक्टर और रिटर्निंग ऑफ़िसर ने बीजेपी प्रत्याशी मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया है।

गुजरात बीजेपी प्रमुख सी आर पाटिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई दी है।

विजेता घोषित किए गए बीजेपी सांसद मुकेश दलाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राज्य के बीजेपी प्रभारी सी आर पाटिल को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, "आज गुजरात में, सूरत में, देश में पहला कमल खिला है। ये कमल आदरणीय प्रधानमंत्री और विश्व पुरुष श्री नरेंद्र भाई मोदी के चरणों में अर्पित करता हूं।।।।घटनाक्रम में क्या है? कांग्रेस का फॉर्म रिजेक्ट हुआ और बाकी के उम्मीदवारों ने नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की कल्पना को साथ देकर अपना फॉर्म वापस ले लिया। बस यही चीज है।"

मैदान में कितने उम्मीदवार थे?

रविवार को कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभानी का फॉर्म अमान्य होने के बाद 9 उम्मीदवार मैदान में रह गए थे ये उम्मीदवार सोमवार सुबह से सूरत कलेक्टर कार्यालय में आकर एक-एक करके अपने फॉर्म वापस लेने लगे।

अन्य दलों की और से, और निर्दलीय चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों ने अपना फॉर्म वापस ले लिया और केवल बसपा उम्मीदवार प्यारेलाल भारती ने अपना फॉर्म वापस नहीं लिया था।

लेकिन अंत में उन्होंने भी अपना फॉर्म वापस ले लिया और बीजेपी उम्मीदवार को निर्विरोध घोषित कर दिया गया।

बीबीसी सहयोगी रूपेश सोनवणे ने कहा, "कलेक्टर कार्यालय में जाने के तीन रास्ते हैं। चुनाव आयोग ने मुख्य रास्ते पर पुलिस तैनाती की व्यवस्था की थी, ऐसे में मीडिया के प्रतिनिधि वहां जमा हो गए। जबकि बसपा प्रत्याशी प्यारेलाल भारती पिछले दरवाजे से फॉर्म वापस देकर निकल गए।"

बीबीसी ने प्यारेलाल भारती से संपर्क करने की कई बार कोशिश की लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

फॉर्म वापस लेने वाले निर्दलीय उम्मीदवार रमेश भाई बारैया ने बीबीसी गुजराती से कहा, ''मैंने फॉर्म इसलिए वापस ले लिया ताकि अगर दोनों मुख्य पार्टियां आमने-सामने लड़ रही हों तो ही चुनाव लड़ने में मजा आएगा। लेकिन अगर एक ही उम्मीदवार मैदान में हो तो चुनाव कैसे लड़ा जा सकता है?"

यह पूछे जाने पर कि क्या नामांकन वापस लेने के लिए उन पर कोई दबाव था? उस पर रमेश भाई ने कहा, "मुझ पर कोई दबाव नहीं था, लेकिन जब कांग्रेस उम्मीदवार का फॉर्म रद्द हो गया तो मैंने कांग्रेस नेताओं से मेरा समर्थन करने को कहा, लेकिन मुझे कांग्रेस नेताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसलिए मैंने फॉर्म वापस ले लिया।"

इसके साथ ही उन्होंने इस बात से इनकार किया कि उन्होंने किसी लालच या प्रलोभन में आकर फॉर्म वापस लिया है।

बीबीसी ने लॉग पार्टी के सुहैल शेख से संपर्क किया लेकिन उन्होंने कुछ जवाब नहीं दिया और फोन काट दिया। इसके अलावा सभी उम्मीदवारों के फोन बंद थे।

बीबीसी ने अन्य तरीकों से उनसे संपर्क करने की बार-बार कोशिश की लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

जिन्होंने पर्चा वापस लिया-

लॉग पार्टी के सुहैल शेख- वापस लिया

ग्लोबल रिपब्लिकन पार्टी के जयशाह भाई मेवाड़ा- वापस लिया

निर्दलीय उम्मीदवार भारत भाई प्रजापति- वापस लिया

निर्दलीय उम्मीदवार अजीत उमात- वापल लिया

बहुजन समाज पार्टी के प्यारे लाल भारती- वापस लिया

निर्दलीय उम्मीदवार किशोर भाई दयानी- वापस लिया

निर्दलीय उम्मीदवार रमेश भाई बारैया- वापस लिया

सरदार वल्लभभाई पटेल पार्टी के अब्दुल हामिद खान- वापस लिया

क्यों रद्द हुआ कांग्रेस उम्मीदवार का पर्चा

बीजेपी ने कांग्रेस उम्मीदवार के नामांकन पत्र पर आपत्ति जताई थी।

दावा है कि कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभानी के नामांकन पत्र पर चार प्रस्तावकों के हस्ताक्षर थे, जिसमें से वे तीन प्रस्तावकों को चुनावी अधिकारी के सामने पेश नहीं कर पाए।

रविवार को दोनों पक्षों ने रिटर्निंग ऑफ़िसर के समक्ष अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं और आख़िरकार कांग्रेसी उम्मीदवार का पर्चा ही ख़ारिज कर दिया गया।

आरोप है कि नीलेश ने अपने नामांकन पत्र पर चार में से तीन प्रस्तावकों के फ़र्ज़ी हस्ताक्षरों का इस्तेमाल किया।

जिन तीन प्रस्तावकों ने अपने हस्ताक्षर फ़र्ज़ी होने का दावा किया है वो तीनों ही कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभानी के बेहद क़रीबी हैं। इसमें एक उनके बहनोई, एक भतीजा और एक उनके कारोबारी पार्टनर हैं।

चूंकि ये तीनों नीलेश कुंभानी के करीबी लोग हैं, इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? घटना के बाद से तीनों लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। **– साभार, बीबीसी**

दूरदर्शन ने अपने 'लोगो' का रंग बदलकर लाल से 'भगवा' क्यों किया?

सरकार के स्वामित्व वाले प्रसारक प्रसार भारती ने समाचार चैनल डीडी न्यूज़ के लोगो का रंग लाल से बदलकर 'भगवा' कर दिया है।

लोकसभा चुनावों के दौरान दूरदर्शन के लोगो का रंग बदलने पर विपक्षी दलों ने कड़ी आलोचना की है।

राज्यसभा सदस्य और प्रसार भारती के पूर्व प्रमुख जवाहर सरकार ने इस कदम पर कहा है, 'यह प्रसार भारती नहीं है, यह प्रचार भारती है।'

हालांकि प्रसार भारती के मौजूदा सीईओ गौरव द्विवेदी ने इन आरोपों से इनकार किया है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, "लोगो में चमकीले रंगों का इस्तेमाल केवल व्यावसायिक रणनीति के तहत किया गया है, इसका राजनीति से कोई संबंध नहीं है।"

पिछले साल जनवरी में 'दूरदर्शन पोथिगई' टेलीविजन चैनल का नाम बदलकर 'डीडी तमिल' कर दिया गया था।

उस समय इस ख़बर को लेकर काफी विवाद हुआ था। हालांकि, डीडी तमिल का लोगो भी 'भगवा' रंग का कर दिया गया था।

इस महीने की शुरुआत में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दूरदर्शन पर 'द केरल स्टोरी' नाम की फ़िल्म के प्रसारण का कड़ा विरोध किया था।

उन्होंने कहा था, "दूरदर्शन को 'द केरल स्टोरी' प्रसारित करने के अपने फैसले को तुरंत पलटना चाहिए, क्योंकि इसका उद्देश्य प्रदेश में नफ़रत फैलाना है। दूरदर्शन को संघ परिवार के सांप्रदायिक एजेंडे को बढ़ाने का काम नहीं करना चाहिए।"

लेकिन इसके बावजूद 5 अप्रैल की रात 8 बजे दूरदर्शन पर इस फिल्म का प्रसारण किया गया। यह मामला अभी थमा भी नहीं था कि एक बार फिर प्रसार भारती डीडी न्यूज के लोगो के रंग बदलने को लेकर विवादों में घिर गया है।

दूरदर्शन की घोषणा

दूरदर्शन भारत सरकार का आधिकारिक सरकारी टेलीविज़न है। इसके लोगो का रंग बदलने की घोषणा दूरदर्शन के आधिकारिक सोशल मीडिया पन्ने पर एक पोस्ट के माध्यम से भी की गई।

दूरदर्शन ने उस पोस्ट में कहा, "अब हम एक नए अवतार में आ रहे हैं लेकिन हमारे सिद्धांतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ख़बरों की दुनिया की ऐसी यात्रा के लिए तैयार हो जाइए जो पहले कभी नहीं हुई और नए डीडी न्यूज़ का अनुभव लीजिए।"

दूरदर्शन ने साथ ही ये भी कहा कि "तेज़ ख़बरों की जगह सटीक ख़बरें, सनसनीखेज़ ख़बरों की जगह सच्चाई, दूरदर्शन की ख़बरें सच का भरोसा दिलाती हैं।"

प्रसार भारती के फ़ैसले की आलोचना

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अपने सोशल मीडिया पन्ने पर इस घटना की आलोचना की।

उन्होंने लिखा, "मैं यह देखकर हैरान हूं कि जब देश भर में आम चुनाव हो रहे हैं तो दूरदर्शन का लोगो अचानक भगवा रंग में बदल गया। यह पूरी तरह से अनैतिक और अवैध है।"

उन्होंने इसे बीजेपी के साथ जोड़कर टिप्पणी की और चुनाव आयोग से सवाल किया।

ममता ने लिखा, "यह कदम सरकारी प्रसारक के बीजेपी को लेकर पूर्वाग्रह के बारे में बहुत कुछ बताता है। चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान इस तरह के भगवा समर्थक प्रचार को अनुमति कैसे दी? चुनाव आयोग को इस पर तुरंत रोक लगानी चाहिए और दूरदर्शन का लोगो वापस पुराने रंग में बदलना चाहिए।"

वहीं प्रसार भारती के पूर्व प्रमुख जवाहर सरकार का कहना है कि ऐसा लगता है कि एक विशेष पार्टी की प्रचार किया जा रहा है।

जवाहर सरकार 2012 से 2014 तक प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे। मौजूदा वक्त में वो तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य हैं।

डीडी न्यूज के लोगो का रंग बदलकर 'भगवा' करने के मामले में उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "भारत के सरकारी प्रसारक दूरदर्शन के ऐतिहासिक लोगो पर भगवा रंग लगाया गया है। पूर्व सीईओ के तौर पर मैं दूरदर्शन के भगवाकरण को चिंता की नज़र से देख रहा हूं। यह अब प्रसार भारती नहीं है, बल्कि एक विशेष पार्टी का प्रचार भारती है।"

जवाहर सरकार ने कुछ यही संदेश एक वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया।

वीडियो में उन्होंने कहा "ये दुख की बात है कि सरकारी प्रसारक से अपनी ब्रांडिंग के लिए ये रंग चुना। आप इसे नारंगी या कोई और रंग कह सकते हैं, लेकिन इसे आम तौर पर भगवा कहा जाता है और इसे एक ख़ास धर्म से जोड़कर देखा जाता है।

जवाहर सरकार ने कहा, "इसके साथ देश, सरकार, पार्टी, संगठन और धर्म फर्क करने वाली लकीरें जैसे ख़त्म हो गई हैं।"

उन्होंने कहा, "लाखों लोग इसे देखते हैं। इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किसी ख़ास धर्म का रंग फैलाने के लिए करना सही नहीं है। आप कह सकते हैं कि राष्ट्रीय झंडे में भी ये रंग है लेकिन उसमें ये दूसरे रंगों के साथ है।"

क्या दूरदर्शन का 'भगवाकरण' हो रहा है?

दूरदर्शन में काम करने वाले एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बीबीसी से इस विवाद के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, "जब दूरदर्शन शुरू हुआ, तो इसे एक सत्तारूढ़ सरकारी चैनल के बैनर तले लॉन्च किया गया था, लेकिन उस वक्त यहां के अधिकारियों को इस बात की समझ नहीं थी कि इस चैनल का उद्देश्य क्या है और इसके विकास का अगला चरण क्या होगा।"

अधिकारी ने कहा, "दूरदर्शन ने लोगों के बीच काफी लोकप्रियता हासिल की। इसका एक कारण ये भी था कि उस वक्त कोई दूसरा चैनल उतना बड़ा नहीं था। 2000 के दशक के दौरान निजी चैनल आने शुरू हुए और लोकप्रिय होने लगे, लेकिन फिर भी किसी ने दूरदर्शन को बदलने की कोशिश नहीं की। एक के बाद एक आने वाली सरकारें भी इसे समझने में विफल रही हैं।"

इन अधिकारी ने कहा, "जिस तरह बीएसएनएल जैसे पीएसयू को ख़त्म कर दिया गया, वही दूरदर्शन के साथ भी हो रहा था। दूरदर्शन में क्या हो रहा है, जानने-सुनने वाला कोई नहीं है। यही कारण है कि पूरा नियंत्रण कुछ लोगों के हाथों में चला जाता है।" **– साभार, बीबीसी**

अपनी अपनी जादूगरी, अपने ही खेल

कमलेश भारतीय

लोकसभा चुनाव हों या कोई भी चुनाव सभी राजनीतिक दलों व इनके नेताओं की अपनी अपनी जादूगरी होती है और अपने ही खेल होते हैं जिससे दूसरों को फेल साबित कर सकें! आजकल यह काम राजनीतिक दलों के मीडिया प्रकोष्ठ बड़े अच्छे से करते हैं। जैसे भाजपा के मीडिया का सारा खेल यह साबित करना है कि राहुल गांधी पप्पू है और उसे राजनीति की बेसिक जानकारी भी नहीं है। कैसे कैसे चुटकुले वायरल किये जाते हैं! इसी प्रकार कांग्रेस मीडिया प्रकोष्ठ का एक ही उदेश्य कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फेंकू साबित करना है । दोनों दलों के मीडिया प्रकोष्ठ पप्पू और फेंकू के नये से नये वीडियो/ ऑडियो और चुटकुले जारी करते रहते हैं । जैसे राहुल गांधी का चुटकुला कि गन्ने के खेत को देखकर कहते हैं कि इतनी लम्बी और ऊंची घास! और जब गन्ना बताया जाता है, तब पूछते हैं कि इस पर गुड़ कब लगेगा ? दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पत्नी का फोटो लगाकर लिखा गया कि सबसे पहली गारंटी मोदी ने मुझे दी थी, आप सोचो कि इनकी गारंटी कैसी होगी?

इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि कांग्रेस के पास तीन सौ प्रत्याशी भी नहीं हैं लोकसभा चुनाव में उतारने के लिए तो मल्लिकार्जुन खड़गे कहते हैं कि हमारे पास पर्याप्त प्रत्याशी हैं । ऐसे ही मोदी कहते हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश की सम्पत्ति पर पहला हक मुस्लिमों का है और राहुल गाँधी जवाब देते हैं कि प्रधानमंत्री जनता को मुख्य मुद्दों से भटकाना चाहते हैं और इस तरह के बयान दे रहे हैं लेकिन जनता अब भटकेगी नहीं!

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर बहुत सीधे हमला करते उनके बच्चों की ज्यादा संख्या को टारगेट करते कहते हैं कि और कोई काम ही नहीं किया और जब खुद मुख्यमंत्री न रह पाये तो राबड़ी देवी को ही मुख्यमंत्री बना दिया । बदले में तेजस्वी यादव ज्यादा समझदार निकले और बड़े नेता को इतना ही कहा कि चचा आपको क्या कहें और क्यों कहें? नीतीश कुमार जैसे नेता का इतना निचले स्तर तक उतर आना शोभा नहीं देता !

प्रचण्ड समय

हिसार आये पूर्व सांसद व अब भाजपा की टिकट पर कुरूक्षेत्र से चुनाव लड़ रहे नवीन जिंदल से जब पूछा गया कि ईडी के डर से तो भाजपा में शामिल नहीं हुए तब ठसक से जवाब दिया कि मैं तो बाबू ओम प्रकाश जिंदल का बेटा हूँ, किसी से नहीं डरता । मैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुआ हूँ । अब कुलदीप बिश्नोई भी भाजपा में हैं और उन्हें हिसार से लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया गया, वे अब आदमपुर में भी प्रधानमंत्री के काम काज गिनाने नहीं आये !

इस तरह शब्दों की जादूगरी का खेल दिन प्रतिदिन देखने, सुनने को मिल रहा है और यही कह सकते हैं :

ये तेरे प्यार की है जादूगरी!

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
9416047075

विशेष नजरिया

प्रो.(डॉ) कृष्ण कुमार रतू

हिंदी पंजाबी के सुपरिचित लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ

हिंदी तथा पंजाबी के चर्चित लेखक एवं देश के प्रसिद्ध मीडिया विशेषज्ञ प्रो. डा. कृष्ण कुमार रत्तू पिछले 55 वर्षों से साहित्य , मीडिया पत्रकारिता एवं टेलीविजन ब्रॉडकास्टर के रूप में चर्चित रहे हैं तथा इन दिनों भी वह इन सभी पर कार्यरत है ।

निबंध लेखन उनकी रचना प्रक्रिया का अलग से एक ऐसी उपलब्धि है जिस में भाषा के विभिन्न प्रयोग तथा विषय की नवीनता एवं विविधता के साथ वह हर ललित निबंध में एक अलग शैली के प्रतिभावान लेखक के रूप में हमारे सामने प्रकट होते हैं ।

उनके यह ललित निबंध पिछले कई दशकों से देश भर की पत्र पत्रिकाओं में तथा विदेशों में भी प्रकाशित होते रहे हैं । उनकी ललित निबंधो की कई पुस्तकें प्रकाशित है।

प्रस्तुत ललित निबंध उनकी विशेष भषा शैली की एक प्रतिनिधि रचना है । यह सुर और संवाद आज खाली होते जीवन तथा उस संवाद की बात करता है जिसके लिए अब हमारी जिंदगी में कोई भी स्पेस शायद शेष नहीं रही है।

डॉक्टर रत्तू की अब तक 80 से ज्यादा पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है । उनकी बहुत सारी पुस्तकों को भारत के कई विश्वविद्यालय में जनसंचार एवं पत्रकारिता के स्कूलों में पढ़ाया जाता है । समय-समय पर उनके ललित निबंध पाठकों में चर्चा का विषय बनते हैं ।आज यह निबंध आपकी नज़र है ।

उम्मीद है आपको अच्छा लगेगा ।

संपादक

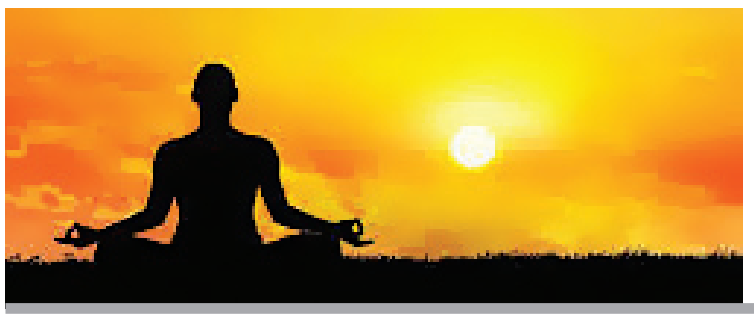

सनातन

prachandsamay.com

प्रचण्ड समय

5

शिमला, मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024

अब राम मंदिर में प्रवेश के लिए बदल गए नियम, दर्शन से पहले ही जान लें ये बातें

प्रचण्ड समय

राम मंदिर उद्घाटन के बाद से ही बड़ी संख्या में लोग देश-विदेश से राम लला के दर्शन के लिए अयोध्या पुहंच रहे हैं। राम मंदिर में प्रवेश के लिए कुछ नियम भी निर्धारित किए गए थे जिन्हें अब बदल दिया गया है। पहले मंदिर में प्रवेश जितनी आसानी से हो पा रहा था अब नहीं हो पाएगा। अब सरकार ने त्रिस्तरीय जांच की व्यवस्था दर्शन के लिए बना दी है। राम मंदिर में प्रवेश के लिए नए नियम क्या हैं, आइए जानते हैं।

इसलिए बदल दिए गए मंदिर प्रवेश के नियम

राम मंदिर में प्रवेश के लिए जो नियम बदले गए हैं, उन्हें बदलने का कारण साइबर धोखाधड़ी और भक्तों की सुरक्षा है। बताया जा रहा है कि पहले किसी की भी आईडी पर किसी दूसरे व्यक्ति को भेजा जा रहा था। इसके लिए लोगों से बड़ी रकम भी धोखाधड़ी करने वालों के द्वारा वसूली जा रही थी। इसलिए प्रशासन को धोखेबाजी से बचने के लिए नई व्यवस्था लागू करनी पड़ी।

अब मंदिर में प्रवेश के लिए होगी तीन लेयर की जांच

राम मंदिर में प्रवेश के लिए अब भक्तों को त्रिस्तरीय जांच करवानी होगी। उसके बाद ही आप राम लला के दर्शन कर पाएंगे। नए नियमों के अनुसार, सबसे पहले भक्तों को एंट्री गेट पर पास की जांच करवानी होगी। इसके बाद आपको स्क्रीनिंग एरिया में भेजा जाएगा जहां यूपी पुलीस के उपनिरीक्षक के द्वारा आपका आईडी प्रूफ देखा जाएगा। साथ ही पास में जो दर्शन का स्लाट है उसकी जांच भी निरिक्षक करेगा और आईडी प्रूफ के साथ आपके चेहरे का मिलना भी किया जाएगा।

मंदिर में प्रवेश से पहले, जांच के अंतिम चरण में एक बार फिर से आपके पास की सामान्य जांच की जाएगी। इसके बाद एक स्लाट में जितने भक्त हैं उनको एक साथ मंदिर में प्रवेश करने की इजाजत होगी। अगर आप भी राम मंदिर में जाना चाहते हैं तो पास और आईडी प्रूफ को साथ ले जाना न भूलें।

आपको बता दें कि, राम लला के दर्शन के लिए सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। दिन में 12 बजे से सवा बारह बजे तक भोग और आरती के दौरान भक्त राम लला के दर्शन नहीं कर पाएंगे। भगवान राम की श्रृंगार आरती का समय सुबह 6 बजकर 30 है वहीं संध्या आरती शाम 7 बजकर 30 मिनट पर की जाती है। रात्रि 10 बजे के बाद कोई भी श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश नहीं कर पाएगा। राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा किया गया था, इसी दौरान प्राण प्रतिष्ठा और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी किये गये थे।

चैत्र पूर्णिमा कब? जानें हनुमान जयंती का क्या है इस दिन से नाता

प्रचण्ड समय

हिंदू धर्म में चैत्र पूर्णिमा का बहुत महत्व माना जाता है। चैत्र महीने की पूर्णिमा को चैत्र पूर्णिमा या चैती पूनम भी कहा जाता है। ये हिंदू नव वर्ष की पहली पूर्णिमा भी होती है। इस दिन चंद्रमा अपनी 16 कलाओं के साथ निकलता है जो कि अमृततुल्य मानी जाती हैं, इसके साथ ही इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के नजदीक आ जाता है जिस कारण वह ज्यादा बड़ा और चमकीला दिखाई देता है।

मान्यता है कि चैत्र पूर्णिमा के दिन ही हनुमान जी का अवतरण हुआ था। इसी कारण चैत्र पूर्णिमा के दिन हनुमान जी के जन्मदिवस के रूप में हनुमान जयंती मनाई जाती है। चैत्र पूर्णिमा बहुत खास होती है और इसी दिन हनुमान जयंती का पर्व भी मनाए जाने के कारण इसका महत्व बहुत बढ़ जाता है।

जानें, कब है चैत्र पूर्णिमा

इस साल चैत्र पूर्णिमा कल यानी 23 अप्रैल, दिन मंगलवार को पड़ रही है। इस बार खास बात यह है कि चैत्र पूर्णिमा पर हनुमान जन्मोत्सव का पर्व भी मनाया जायेगा।

चैत्र पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

चैत्र पूर्णिमा का आरंभ 23 अप्रैल 2024, दिन मंगलवार की सुबह 3 बजकर 25 मिनट पर होगा, और इसका समापन अगले दिन यानी 24 अप्रैल 2024 को सुबह 5 बजकर 18 मिनट पर होगा। उदया तिथि में पूर्णिमा 23 तारीख को होने के कारण पूर्णिमा का व्रत मंगलवार को रखा जाएगा और 23 अप्रैल को सुबह 4 बजकर 20 मिनट से स्नान मुहूर्त आरंभ हो जाएगा जोकि 5 बजकर 4 मिनट तक रहेगा। इस समय में स्नान आदि करना शुभ माना जाता है।

बन रहे हैं शुभ संयोग

चैत्र पूर्णिमा पर इस बार हनुमान जयंती के पावन अवसर के साथ कई शुभ संयोग भी बन रहे हैं। जिसके कारण ये पूर्णिमा और इसका व्रत रखना बेहद मंगलकारी और कल्याणकारी साबित होगा। पंचांग के अनुसार, इस बार पूर्णिमा पर वज्र योग बन रहा है जोकि 23 अप्रैल की सुबह से लेकर 24 अप्रैल की सुबह 4 बजकर 57 मिनट तक रहेगा। इस पूर्णिमा पर चित्रा नक्षत्र का योग भी बन रहा है जोकि 23 अप्रैल की सुबह से शुरू होगा और रात के 10 बजकर 32 मिनट तक रहेगा। इसके बाद स्वाति नक्षत्र आरंभ हो जाएगा।

चैत्र पूर्णिमा व्रत तिथि

पंचांग के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा का आरम्भ कल 23 अप्रैल, दिन मंगलवार की सुबह 3 बजकर 26 मिनट से होगा और इसका समापन 5 बजकर 19 मिनट मिनट पर उदया तिथि में होगा। पूर्णिमा 23 तारीख को होने के चलते पूर्णिमा का व्रत मंगलवार को ही रखा जाएगा।

चैत्र पूर्णिमा पूजा विधि

चैत्र पूर्णिमा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर घर की साफ सफाई कर के स्नान करें और साफ और स्वच्छ कपड़े धारण कर लें। अब एक चौकी लें और चौकी पर लाल या पीले रंग का साफ कपड़ा बिछाकर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद विधि विधान के साथ मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु को रोली, चावल और पुष्प अर्पित करें। उनके विशेष मंत्र और स्तोत्र का पाठ करें।

साथ ही भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। अब माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की आरती करें और अंत में उन्हें खीर का भोग लगाएं। वहीं कई भक्त सत्यनारायण व्रत रखते हैं और इस शुभ दिन पर भगवान की पूजा करते हैं। पूर्णिमा की रात को चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को कच्चा दूध डालकर अर्घ्य दें और इसके बाद ही व्रत का पारण करें।

हनुमान जयंती पर महिलाएं इस तरह करें बजरंगबली की पूजा, पूरी होगी मनोकामना

23 अप्रैल 2024 को हनुमान जयंती मनाई जाएगी। वैसे तो हिंदू धर्म में बहुत से देवी देवताओं की पूजा की जाती है लेकिन जब बात बजरंगबली की आती है तो कुछ खास नियमों का पालन करना जरूरी होता है। खासकर महिलाओं के लिए इन नियमों का पालन करना आवश्यक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि हनुमान जी बाल ब्रह्मचारी थे इसलिए महिलाएं उनकी मूर्ति को स्पर्श नहीं कर सकती हैं साथ ही केवल विवाहित महिलाएं ही हनुमान जी की आराधना कर सकती हैं, आइए जानते हैं कि हनुमान जी पूजा के दौरान किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

प्रचण्ड समय

महिलाएं करें इन नियमों का पालन

मान्यता के अनुसार, महिलाओं को हनुमान जी के सामने सिर नहीं झुकाना चाहिए क्योंकि हनुमान जी बाल ब्रह्मचारी थे और उन्होंने माता सीता को अपनी मां माना था। इसलिए उनके लिए हर महिला मां सामान है। कहा जाता कि भगवान हनुमान खुद तो महिलाओं के आगे झुक सकते हैं मगर कोई महिला उनके आगे झुके उन्हें पंसद नहीं था।

हनुमान जी की प्रतिमा पर महिलाओं को ना कभी जल और ना कभी भी वस्त्र चढ़ाने चाहिए। ऐसा करना ब्रह्मचारी का अपमान माना जाता है।

महिलाओं को हनुमान जी की पूजा में कभी सिंदूर नहीं चढ़ाना चाहिए और ना ही उनके चरण छूने चाहिए। हनुमान जी को कुछ भी अर्पित करते समय उनके सामने रखना चाहिए।

महिलाओं को बजरंग बाण का पाठ नहीं करना चाहिए और ना ही जनेऊ अर्पित करना चाहिए।

महिलाएं बजरंगबली के लिए प्रसाद बना सकती हैं। परन्तु इसे किसी पुरुष द्वारा अर्पित किया जाए।

हनुमान जयंती के दिन महिलाएं बजरंगबली की मूर्ति के सामने दीपक जला सकती हैं और अगरबत्ती या धूप भी अर्पित कर सकती हैं।

हनुमान जयंती के दिन महिलाएं हनुमान चालीसा, हनुमान अष्टक, सुंदरकांड का पाठ कर सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ..

भाजपा को अपनी नजर का चश्मा बदल लेना चाहिए : रजनीश किमटा

शिमला . प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री रजनीश किमटा ने कहा है कि पार्टी जल्द ही अपने सभी प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। उन्होंने कहा है कि भाजपा को इसकी कोई चिंता नही करनी चाहिए।

आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए रजनीश किमटा ने कहा कि प्रदेश में अंतिम चरण में चुनाव होने है। उन्होंने कहा कि 7 मई से प्रदेश में नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने कहा इस दौरान कांग्रेस के स्टार प्रचारक प्रदेश के चुनाव प्रचार में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी ने प्रचार प्रसार का सारा खाका तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि शिमला व मण्डी संसदीय क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी व विक्रमादित्य सिंह ने अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू,उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री सहित सभी नेता,मंत्री भी प्रदेश के दौरे पर जाकर सभाओं को सम्बोधित करेंगे।

प्रचण्ड समय

किमटा ने कहा कि पार्टी से निष्कासित नेताओ की घर वापसी का कोई भी फैंसला केंद्रीय आलाकमान ही करता है। उन्होंने कहा कि पच्छाद के पूर्व विधायक, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गंगूराम मुसाफिर के घर वापसी का मामला केंद्रीय आलाकमान के पास अभी भी लंबित पड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुसाफिर ने पार्टी में शामिल होने के लिये बिनाशर्त गुहार लगाई है,पर चूंकि यह पूरा मामला अनुशासन समिति की अनुशंसा से केंद्रीय आलाकमान के पास गया है और जल्द ही इस पर गुण दोष के आधार पर कोई निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी उन्हें पार्टी में शामिल करने की अनुशंसा की है। किमटा ने भाजपा नेताओं के उस आरोप पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी जिसमें वह प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को अपनी नजर का चश्मा बदल लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा इस प्रकार के बयान देकर प्रदेश के शांत वातावरण को अशांत करने का असफल प्रयास कर रही है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह प्रदेश के शांत राजनीतिक माहौल को अशांत करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भाजपा ने प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की है उससे भाजपा का असली चेहरा प्रदेश के लोगों के सामने आ चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार को एक षड्यंत्र के तहत गिराने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि भाजपा ऑपरेशन लोटस की जननी है पर प्रदेश में इसका यह ऑपरेशन पूरी तरह फेल हो गया। प्रदेश के लोग भाजपा को चारों खाने चित करेंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस चारों लोकसभा व छह विधानसभा उप चुनावों में शानदार जीत हासिल करेगी।

कांग्रेस में वापसी की अफवाह पर कुलदीप विश्नोई बोले में संघ का निष्ठावान कार्यकर्ता

शिमला . पूर्व सांसद और विधायक कुलदीप विश्नोई ने अपने कांग्रेस में लौटने की अफवाह पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वे संघ के निष्ठावान कार्यकर्ता है। उधर हिसार लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी से लगातार दूरी बनाए आदमपुर के भाजपा विधायक भव्य बिश्नोई ने एक बार फिर से अपने आक्रामक तेवर दिखाए हैं ।

प्रचण्ड समय

हिसार लोकसभा सीट से भाजपा द्वारा रणजीत चौटाला को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद से भव्य बिश्नोई लगातार नाराज चल रहे हैं। भव्य बिश्नोई ने अभी तक रणजीत चौटाला के साथ मंच साझा नहीं किया है। इस खींचतान के चलते अभी तक भाजपा की आदमपुर में विजय संकल्प रैली भी नहीं हो सकी है। पिछले कुछ दिनों से कुलदीप बिश्नोई को लेकर खबरें आ रही हैं कि वह फिर से कांग्रेस हाईकमान के संपर्क में हैं और हिसार लोकसभा सीट से अपने भाई चंद्रमोहन को प्रत्याशी बनाए जाने के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। इन खबरों के बीच कुलदीप बिश्नोई ने सोमवार को ट्वीट करके कहा कि सोशल मीडिया पर मेरे कांग्रेस में जाने की कुछ खबरें चल रही हैं, जो कि पूरी तरह से भ्रामक एवं निराधार है। मैंने संघ परिवार और भारतीय जनता पार्टी का साधारण कार्यकर्ता बनकर काम किया है और आगे भी संघ परिवार और पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करता रहूँगा। कुलदीप बिश्नोई के इस ट्वीट से कुछ देर पहले भाजपा विधायक भव्य बिश्नोई ने ट्वीट करके कहा कि यदि आप मुझे भालू के साथ लड़ाई में देखते हैं, तो भालू के लिए प्रार्थना करें। भाजपा हाईकमान से नाराज चल रहे भव्य बिश्नोई के इस ट्वीट को पार्टी प्रत्याशी रणजीत सिंह चौटाला के साथ चल रही खींचतान के साथ जोडक़र देखा जा रहा है।

नगर खेड़ा दरबार गुल्लरवाला मे विशाल भंडारा

प्रवीण शर्मा, बद्दी . बद्दी साई रोड पर ग्राम पंचायत गुल्लरवाला के पीपल चौक पर स्थित नगर खेड़ा दरबार पर आयोजित वार्षिक उत्सव के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पुराने झंडे को बदलकर नया झंडा चढ़ाया गया। इस दौरान दरबार को बड़ी भव्यता के साथ सजाया गया। दोपहर एक बजे के पश्चात प्रसाद के रूप में विशाल लंगर भंडारा वितरित किया गया। भंडारे में गुल्लरवाला के साथ लगते, धखडूमाजरा, लेही, कडुआना,ओम साई काम्प्लेक्स, भटोली, भूपनगर धर्मपुर व वर्धमान चौक के सैंकड़ों लोगों ने खेड़ा दरबार मे नतमस्तक होकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर गुल्लरवाला पंचायत के उप प्रधान पम्मी राम, पूर्व पार्षद सीता राम चौधरी, ज्ञान चंद, गुरनाम सिंह, डॉ भाग सिंह चौधरी, बहादुर सिंह, रोशन लाल, भंगी राम, मग्गर राम, सूरत राम, जीत राम, गुरमेल सिंह, प्रकाश चंद, विकास चौधरी, बांका सिंह, मेवा राम, राम करन, परमजीत सिंह,तारा चंद व बहुत से गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रचण्ड समय

राज्यपाल ने परवाणु में जल जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण संबंधी उपायों की समीक्षा की

प्रचण्ड समय . शिमला

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज सोलन जिला के परवाणु स्थित परिधि गृह में जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में परवाणु क्षेत्र में सामने आए डायरिया के मामलों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए किए गए उपायों की समीक्षा की गई।

राज्यपाल ने कहा गर्मियों के मौसम में जल जनित रोगों के फैलने का अंदेशा बढ़ जाता है। ऐसे में पेयजल स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने परवाणु क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में डायरिया के मामले सामने आने पर संबंधित विभागों से अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पेयजल के प्रदूषित होने के कारणों का शीघ्र पता लगाने और इसके लिए एक संयुक्त टीम गठित करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने अभी तक सभी विभागों के साथ मिलकर पूरी तत्परता से कार्य किया है।

शिव प्रताप शुक्ल ने डायरिया से पीड़ित रोगियों के उपचार के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने रोगियों के उपचार एवं डायरिया की रोकथाम के लिए उठाए गए कदमों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों में जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए बरती जाने वाली सावधानियों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लोगों का भी आह्वान किया कि वे नियमित तौर पर पेयजल भंडारण टैंकों की साफ-सफाई करें और इसमें निश्चित मात्रा में क्लोरीन इत्यादि डालें तथा पानी को उबालकर ही उपयोग में लाएं।

उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने परवाणु क्षेत्र में डायरिया व अन्य जल जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे सघन अभियान की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मामले सामने आने पर तत्काल सहायक आयुक्त (प्रोटोकॉल) की अध्यक्षता में बैठक कर एक कार्य बल (टास्क फोर्स) गठित किया गया है। इसमें स्वास्थ्य विभाग, हिमुडा, नगर परिषद, जल शक्ति सहित संबंधित विभागों को शामिल किया गया है। यह कार्य बल निरंतर ऐसे मामलों की निगरानी भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के पेयजल स्रोतों एवं ट्रीटमेंट प्लांट से पेयजल के नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए हैं। पेयजल आपूर्ति में लगे टैंकरों की भी जांच की जा रही है।

उपायुक्त ने कहा कि पेयजल के प्रदूषित होने के कारणों की जांच के लिए परवाणु नगर परिषद के सभी नौ वार्डों में तत्काल अभियान शुरू किया जाएगा। इसमें नगर परिषद, हिमुडा, लोक निर्माण विभाग सहित स्वास्थ्य विभाग से भी कर्मी शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डायरिया के मामलों में अब कमी दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर दैनिक आधार पर जांच कर रही हैं। जल भंडारण टैंकों व ड्रम इत्यादि की जांच करने के साथ ही इनकी साफ-सफाई के लिए क्लोरीन की गोलियां वितरित की गई हैं। डायरिया प्रभावित लोगों को ओआरएस के पैकेट भी वितरित किए गए हैं। अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे रोगियों में से अधिकांश ठीक होकर घर भेजे जा चुके हैं। खंड चिकित्सा अधिकारी धर्मपुर को पेयजल के सैंपल एकत्रित करने तथा नियमित तौर पर निगरानी एवं जांच के निर्देश दिए गए हैं। हिमुडा के माध्यम से भी पानी के नमूने एकत्र किए गए हैं और पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई व क्लोरीनेशन की गई है। स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओं, नगर परिषद, टकसाल व जंगेशु पंचायतों के सचिवों, विभिन्न क्लबों व स्थानीय संगठनों के माध्यम से भी जल जनित रोगों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सोलन गौरव सिंह, राज्यपाल के ए.डी.सी. अभिषेक, अतिरिक्त उपायुक्त अजय कुमार यादव, सहायक आयुक्त (प्रोटोकॉल) परवाणु महेन्द्र प्रताप सिंह और स्वास्थ्य, जल शक्ति, हिमुडा व नगर परिषद के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के उपरांत राज्यपाल ने स्थानीय अस्पताल में पहुंचकर उपचाराधीन डायरिया के रोगियों का कुशलक्षेम जाना और उन्हें तथा अन्य रोगियों को फल इत्यादि भी वितरित किए। इस अवसर पर लेडी गवर्नर जानकी शुक्ल भी उपस्थित थीं।

प्रदेश में भाजपा सरकार के दौरान विकास को लगे थे पंख : कश्यप

प्रचण्ड समय . सिरमौर

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने आज नाहन विधानसभा क्षेत्र के दौरा किया उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि पिछली भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो 2017 से 2022 तक चली थी वह हिमाचल की विकास यात्रा वाली सरकार थी और अब कांग्रेस सरकार जो को दिसंबर 2022 से बनी है तब से कुप्रबंधन वाली सरकार के नाम से जानी जाएगी।

उन्होंने कहा की हमारी प्रदेश भाजपा सरकार में आधारभूत ढांचे का विस्तार, सुविधा और तरक्की का आधार बना था। हमारी सरकार ने जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत प्रदेश में कुल 96% घरों में 8.82 लाख नए नल कनेक्शन उपलब्ध करवाए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लोगों को अटल टनल का उपहार देकर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को साकार किया था। भाजपा सरकार ने प्रदेश में 69 एनएच परियोजनाओं को प्रारम्भ किया। हिमाचल में एनएच की कुल लंबाई 2653 किमी से बढ़कर 6965 किमी हुई। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत राज्य में 20,000 किमी से अधिक सड़कों का निर्माण किया गया एवं 10,591 गावों को पक्की सड़कों से जोड़ा गया जिससे लगभग 20 लाख लोग लाभान्वित हुए। हमारी प्रदेश भाजपा सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में 1200 करोड़ की लागत से बल्क ड्रग पार्क का निर्माण के विजन रखा गया जिससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 30,000 नौकरियां उत्पन्न होनी थी। इस योजना को कांग्रेस सरकार ने रोकने का पूर्ण प्रयास किया है। हमारी भाजपा सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में 350 करोड़ की लागत से मेडिकल डिवाइस पार्क का निर्माण किए जाने का विजन रखा गया। स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में 71 परियोजनाओं पर 285.44 करोड़ एवं शिमला में 53 परियोजनाओं पर 279 करोड़ का व्यय किया गया।

उन्होंने कहा जब से प्रदेश में कांग्रेस सरकार आई है तब से केवल हिमाचल की प्रगति नीचे की ओर चलती दिखाई दे रही है, किसी भी नई योजना का निर्माण नहीं किया गया एक भी ऐसा ही योजना नहीं बनी जिससे जनकल्याण हो सके, यह सरकार केवल जन विरोधी सरकार है।

अनुबंध कर्मचारियों के नियमितीकरण को रोकने के लिए भाजपा ने डाला दबाव

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के चीफ अनुराग शर्मा ने कहा है कि चुनाव आयोग ने भाजपा के दबाव में अनुबंध व दैनिक भोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण को रोक दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को नियमित करना एक रूटीन प्रक्रिया है, जिसके लिए राज्य सरकार ने चुनाव आयोग से अनुमति माँगी थी, लेकिन भाजपा के दबाव में चुनाव आयोग ने फाइल रोक दी है। जबकि पहले भी चुनाव के दौरान कर्मचारियों के नियमितीकरण को अनुमति मिलती रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दबाव बनाकर अनुबंध व दैनिक भोगी कर्मचारियों को अधिकार से दूर कर दिया है। अनुराग शर्मा ने कहा कि भाजपा शुरू से ही कर्मचारी विरोधी रही है। इसलिए भाजपा सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने से इनकार किया था, जबकि वर्तमान राज्य सरकार ने पहली ही कैबिनेट बैठक में कर्मचारियों के लिए ओपीएस बहाल की है। उन्होंने कहा कि यही भाजपा लगातार महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन प्रदान करने की प्रक्रिया में अड़ंगे लगा रही है। चुनाव आयोग पर दबाव बनाकर भाजपा नेता 1500 रुपए पेंशन देने की योजना को रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपना चुनावी वादा निभाते हुए 18 वर्ष से अधिक की आयु की पात्र लड़कियों एवं महिलाओं के लिए इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना आरम्भ की है, जिसके तहत प्रत्येक पात्र को 1500 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत फार्म भरने का कार्य शुरू किया गया है तथा महिलाओं को इसका लाभ मिलना आरंभ हो चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस योजना के लिए बाक़ायदा 800 करोड़ बजट का प्रावधान किया है, लेकिन भाजपा महिलाओं को दी जा रही पेंशन को बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के चीफ ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार ने ही प्रदेश की 2.42 लाख महिलाओं को मिलने वाली 1000 या 1150 रुपये मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर 1500 रुपये कर दिया है तथा उन्हें यह राशि मिलना भी शुरू हो गया है। अनुराग शर्मा ने कहा कि भाजपा का हिमाचल विरोधी चेहरा प्रदेश की जनता के सामने आ रहा है और उसे इन जन विरोधी कार्यों की क़ीमत चुनाव में चुकानी पड़ेगी।

राज्य सरकार कर रही युवाओं, किसानों के हितों की रक्षा : हर्षवर्धन

प्रचण्ड समय . शिमला

भाजपा पर निशाना साधते हुए उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान प्रदेश सरकार अन्नदाताओं और युवाओं के हितों की रक्षा करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि युवाओं और किसानों के हकों की पैरवी करने वाले भाजपा नेता यह भूल रहे हैं कि पिछली भाजपा सरकार ने किसानों और युवाओं को हाशिए पर धकेलना का काम किया।

हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि किसानों के शुभचिंतक होने का ढोंग करने वाले भाजपा नेता यह भूल रहे हैं कि केंद्र की भाजपा सरकार के किसान विरोधी बिलों के विरोध में किसानों ने देश का सबसे बड़ा किसान आंदोलन चलाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के लिए किसानों और पशुपालकों का उत्थान प्राथमिकता में शुमार हैं, इसलिए सरकार ने पशुपालकों और किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गाय के दूध के समर्थन मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए इसे 32 रुपये से बढ़कर 45 रुपये प्रति लीटर तथा भैंस के दूध के समर्थन मूल्य को 47 रुपए से बढ़कर 55 रुपये प्रति लीटर किया गया है। उन्होंने कहा कि दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य है, जिससे पशुपालकों की आय में बढ़ौतरी हो रही है। साथ ही, प्रदेश के पशुपालकों को लाभान्वित करने के लिए जिला कांगड़ा के डगवार में लगभग 226 करोड़ रुपये की लागत से 'स्टेट ऑफ द आर्ट' दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र लगाया जाएगा जिससे दूध के अनेक तरह के उत्पाद तैयार कर पशुपालकों के दूध का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

उद्योग मंत्री ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार यह भलीभांति जानती है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करके ही आत्मनिर्भर हिमाचल के सपने को साकार किया जा सकता है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राजीव गांधी प्राकृतिक खेती स्टार्ट-अप योजना के तहत लगभग 36 हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देते हुए सरकार ने प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं को 40 रुपये और मक्की को 30 रुपये प्रति किलोग्राम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने का फैसला लिया है जो पूरे देश में गेहूं और मक्की पर दिया जाने वाला सबसे अधिक समर्थन मूल्य है।

उन्होंने कहा कि बागवानों को लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से सेब, आम और नींबू प्रजाती के फलों के समर्थन मूल्य में 1.50 रुपये की ऐतिहासिक वृद्धि कर 10.50 रुपये से बढ़ाकर 12 रुपये प्रतिकिलो किया गया है। इसके साथ ही इतिहास में पहली बार हिमाचल प्रदेश के सेब बागवानों का सेब किलो के हिसाब से बिका, जिससे उन्हें फ़ायदा हुआ। प्रदेश सरकार ने अगले सीजन से हिमाचल प्रदेश में यूनिवर्सल कार्टन को लागू करने का निर्णय लिया है। हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि सरकार के यह निर्णय दर्शाते हैं कि प्रदेश सरकार किसानों और बागवानों को प्राथमिकता प्रदान कर उनका कल्याण और उत्थान सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को किसानों और बागवानों के हितों में लिए जा रहे निर्णय रास नहीं आ रहे और कांग्रेस को मिल रहे अपार जन समर्थन से वे बौखलाहट में अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं।

प्रदेश में क़ानून व्यवस्था की स्थिति लचर, महिलाओं पर बढ़ रहे अपराध के मामले : डॉ सीमा ठाकुर

प्रचण्ड समय . शिमला

सुख की सरकार में प्रदेश की क़ानून व्यवस्था की हालात बहुत बदतर हैं। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा उपाध्यक्ष डॉ सीमा ठाकुर ने शिमला में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार में प्रदेश की महिलाओं की स्थिति खराब है। उन्होंने कहा कि चम्बा में मंदिर के एक प्रहरी द्वारा नाबालिग 9वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के गृह जिला हमीरपुर से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां भोरंज

के इलाके में महिला के बाल काटकर उसका मुंह काला कर दिया गया और पूरे क्षेत्र में घुमाया गया। हिमाचल के चंबा का मनोहर हत्याकांड युवक लापता हो गया, बाद में जब पुलिस का गश्ती दल इलाके में गश्त कर रहा था तो उन्हें नाले में पत्थरों के नीचे युवक की लाश बोरी में मिली। लेकिन प्रशासन द्वारा उसके परिवार को इंसाफ नहीं दिलवाया गया।

उन्होंने कहा कि हाल फिलहाल में ही एक सनसनीखेज मामला सामने आया जिसमें हिमाचल के कांगड़ा में शनिवार को पालमपुर बस स्टैंड पर दिन-दिहाड़े एक युवक ने युवती पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। युवक ने दराट से एक के बाद एक 10 बार युवती पर वार किए। हिमाचल में महिला उत्पीड़न इतना बड़ा रूप ले चुका है कि जहां महिलाएं न ही दिन को और न ही रात को खुद को सुरक्षित पाती है। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में भ्रष्टाचार, मर्डर, बलात्कार बड़ा रूप ले चुका है। कांगड़ा जिला के थाना भवारना के तहत गदियाड़ा पंचायत में 50 वर्षीय महिला की हत्या का मामला सामने आया है। महिला का शव सड़क किनारे संदिग्ध हालत में मिला। मृतक महिला के गले और अन्य जगहों पर तेजधार हथियार से वार के निशान थे। सुलह विधानसभा की ग्राम पंचायत गदियाड़ा में हुई 50 वर्षीय महिला की हत्या पेपर कटर से गला रेत की गई है। यह अंदेशा पुलिस और फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर खून से सने मिले पेपर कटर से लगाया गया। महिलाओं की स्थिति दयनीय हो गई है। उन्होंने कहा कि यह किस तरह का अत्याचार है जहां हिमाचल प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि शिमला के मॉल रोड पर पुलिस के रिपोर्टिंग रूम के सामने रेस्टोरेंट में काम करने वाले युवक की गंडासे से हत्या कर दी गई और पुलिस प्रशासन सोया रहा। यह प्रदेश की वर्तमान सरकार के दौरान ऐसा हिमाचल प्रदेश में हो रहा जहां युवा, महिलाएं व अन्य वर्ग भी सुरक्षित नहीं है।

क्या एथिलीन ऑक्साइड से कैंसर होता है? हांगकांग में भारतीय मसालों के इस्तेमाल पर लगी रोक से उठे सवाल

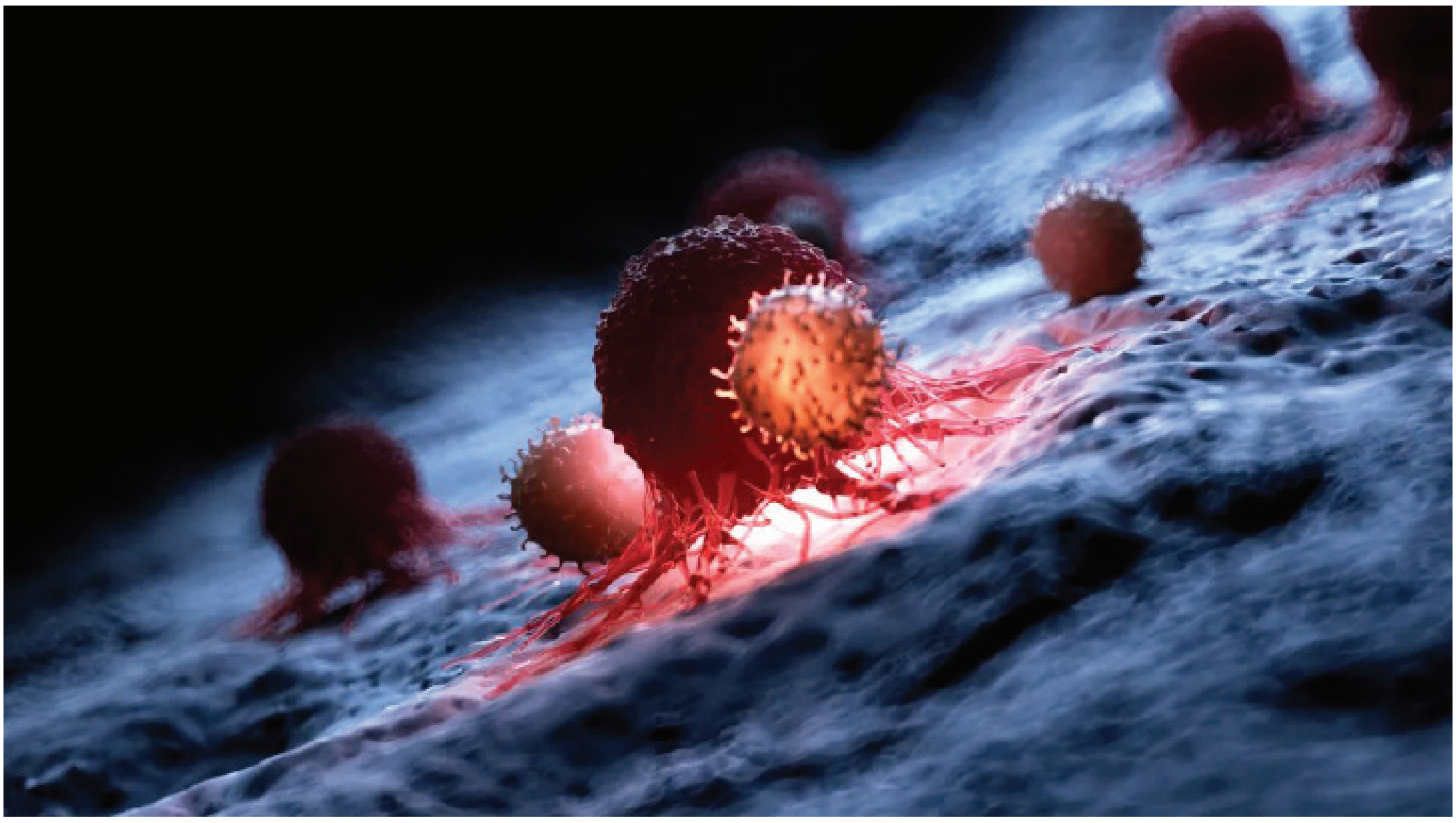

नेस्ले के बेबी फूड्स प्रोडक्ट्स में अधिक चीनी मिलने वाला मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा है। इस बीच भारतीय मसालों के इस्तेमाल को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। हांगकांग और सिंगापुर की फूड अथॉरिटी ने लोगों को भारत के दो मसाला ब्रांडों के चार प्रोडक्ट को यूज न करने की सलाह दी है। मसालों के इस्तेमाल और बिक्री पर भी रोक लगा दी गई है। बाजार से इन मसालों को वापिस मंगाने का आदेश भी जारी कर दिया गया है। फूड अथॉरिटी ने कहा है कि भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा काफी अधिक है। ऐसे में इनका इस्तेमाल खाने में नहीं किया जा सकता है। अगर इन मसालों को खाते हैं तो कैंसर का रिस्क बढ़ सकता है।

इस बीच आपके मन में यह सवाल भी उठ रहा होगा कि एथिलीन ऑक्साइड क्या है और क्या ये कैंसर का कारण बन सकता है? आइए इस बारे में एक्सपर्ट्स से जानते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि एथिलीन ऑक्साइड एक रंगहीन केमिकल होता है। कई सालों से अलग- अलग तरह के फूड्स में इसका यूज किया जा रहा है। किसान भी खेती में इसका यूज करते हैं ताकि फसल को कीड़ों से बचाया जा सके। यह कीटनाशक फसलों में माइक्रोबियल कंटैमिनेशन को रोकता है। मसालों में इसका यूज इसलिए किया जाता है ताकि उनमें कीड़े न पड़ें। हालांकि इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने एथिलीन ऑक्साइड को कार्सिनोजेन माना है। एजेंसी ने कहा है कि एथिलीन ऑक्साइड का किसी भी प्रोडक्ट में तय मानक से ज्यादा यूज खतरनाक साबित हो सकता है। आरोप है कि भारतीय मसालों में इस केमिकल का यूज ज्यादा किया जा रहा है। जिससे लोग कैंसर का शिकार हो सकते हैं। यह केमिकल ल्यूकेमिया यानी कि ब्लड कैंसर कर सकता है।

एथिलीन ऑक्साइड क्या है?

दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल में हेमेटोलॉजिस्ट और ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ रोहित कपूर बताते हैं कि एथिलीन ऑक्साइड का यूज फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री और किसान करते हैं। एथिलीन ऑक्साइड मसालों को खतरनाक बैक्टीरिया और फफूंद से भी बचाता है। लेकिन एथिलीन ऑक्साइड एक कार्सिनोजेन है।जो भी चीजें कैंसर के रिस्क को बढ़ाती हैं उनको कार्सिनोजेन कहा जाता है। कार्सिनोजेन कई तरह के केमिकल और रेडिएशन में होता है। यह व्यक्ति के शरीर की सेल्स में जाकर डीएनए के फंक्शन को गड़बड़ करता है। इससे शरीर के कुछ हिस्सों में सेल्स तेजी से बढ़ने लगती हैं, जिससे कैंसर होने का रिस्क रहता है।

डॉ रोहित बताते हैं कि एथिलीन ऑक्साइड किसी प्रोडक्ट में ज्यादा मिलाया गया है और लंबे समय तक इसे प्रयोग में लाया जाए तो ये किसी को भी बीमार बना सकता है। लगातार इसका एक्सपोजर या किसी भी तरह से इसके शरीर में जाने से कैंसर होने का खतरा रहता है। हालांकि हर मामले में ये केमिकल कैंसर नहीं करता, लेकिन अगर किसी प्रोडक्ट में यह तय मात्रा से अधिक मिलाया जाता है तब कैंसर का रिस्क बढ़ सकता है।

इन फूड प्रोडक्ट में मिलाया जाता है कार्सिनोजेन

दिल्ली के जीटीबी हॉस्पिटल में डॉ। अंकित कुमार बताते हैं कि कार्सिनोजेन कई तरह के फूड प्रोडक्ट में मिलाया जाता है। उदाहरण के तौर पर कोल्ड ड्रिंक, पैकेट वाला पानी, पैकेट वाले चिप्स कार्सिनोजेन होता है। इनमें इसको गैस के रूप में डाला जाता है। कार्सिनोजेन इसलिए मिलाया जाता है ताकि ये फूड प्रोडक्ट्स लंबे समय तक सुरक्षित रहें और इनमें किसी तरह का कोई कीड़ा या बैक्टीरिया न प्रवेश कर सके।

क्या एथिलीन ऑक्साइड से कैंसर होता है?

डॉ रोहित कपूर बताते हैं कि नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिसर्च में कहा गया है कि एथिलीन ऑक्साइड के संपर्क में आने से लिम्फो हेमेटोपोएटिक कैंसर, ल्यूकेमिया, स्तन कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। अगर सांस के जरिए ये शरीर में जाता है तो इससे ल्यूकेमिया, मेसोथेलियोमास, लिम्फोमा, फेफड़ों के ट्यूमर और पेट का कैंसर तक हो सकता है। इस मामले में चूहों पर रिसर्च भी हुई है। रिसर्च में चूहों पर एथिलीन ऑक्साइड का लंबे समय तक यूज किया गया था। जिससे बाद में चूहें इन कैंसर का शिकार हो गए थे।

जिन फैक्ट्री में एथिलीन ऑक्साइड बनता है, वहां के कर्मचारियों पर हुई रिसर्च में पता चला है कि एथिलीन ऑक्साइड मनुष्यों में क्रोमोसोम डैमज कर सकता है। इससे कई तरह की डिजीज हो जाती हैं।

किन दूसरी बीमारियों का खतरा?

एथिलीन ऑक्साइड के हाई एक्सपोजर से मतली, उल्टी, ब्रोंकाइटिस भी हो सकता है। एथिलीन ऑक्साइड के घोल से त्वचा और आंखों में जलन होती है। कई वर्षों से एथिलीन ऑक्साइड के संपर्क में रहने वाले श्रमिकों में इसकी वजह से नवर्स सिस्टम से जुड़ी समस्याएं भी देखी गई हैं। गर्भवती महिलाएं अगर लंबे समय तक एथिलीन ऑक्साइड के संपर्क में रहती हैं तो उन्हें और होने वाले बच्चे को भी नुकसान हो सकता है। ये रसायन पुरुष और महिलाओं में प्रजनन क्षमता पर असर डाल सकता है।

मसाला कंपनी का क्या कहना है?

इस विवाद के बाद एक मसाला कंपनी ने बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा है कि वो एक 50 साल पुराना प्रतिष्ठित ब्रांड है। उनके सारे प्रोडक्ट्स कड़ी जांच के बाद ही तैयार और एक्सपोर्ट किए जाते हैं। इस दौरान साफ-सफाई और फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड्स का कड़ाई से पालन किया जाता है। प्रोडक्ट्स पर Spices Board of India और FSSAI समेत सभी एजेंसियों की मुहर लगी होती है। मसाले की क्वालिटी कंट्रोल टीम भी इसकी पूरी जांच करती है। सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद ही प्रोडक्ट को बाजार में उतारा जाता है।

क्या था तेल रिसाव से मौत का वो किस्सा जिससे अर्थ डे की नींव पड़ी?

पृथ्वी दिवस पर्यायवरण संरक्षण के नजरिए से साल का अहम दिन होता है। हर साल 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लोगों की जागरुकता और उनकी हिस्सेदारी को बढ़ाने पर जोर दिया जाता है। इस साल अर्थ डे 2024 का थीम है 'प्लेनेट वर्सेज प्लास्टिक' यानी ग्रह बनाम प्लास्टिक। इस थीम का मकसद सिंगल यूज प्लास्टिक के खपत को कम करने के लिए लोगों में जागरुकता फैलाना है। कोशिश की जाएगी कि 20240 तक प्लास्टिक के इस्तेमाल में 60 फीसदी तक गिरावट आ सके।

सबसे पहला अर्थ डे 22 अप्रैल, 1970 को अमेरिका में मनाया गया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कैसे तेल रिसाव की एक दुर्घटना से अर्थ डे की नींव पड़ी? पृथ्वी दिवस के लिए 22 अप्रैल की तारीख ही क्यों चुनी गई? आइए जानते हैं।

वो तेल रिसाव जिससे पैदा हुआ अर्थ डे का विचार

अर्थ डे की शुरूआत में सांता बारबरा तेल रिसाव की अहम भूमिका मानी जाती है। यह जनवरी और फरवरी 1969 में दक्षिणी कैलिफोर्निया में सांता बारबरा शहर के पास सांता बारबरा चैनल में हुआ था। यह उस समय का अमेरिका का सबसे बड़ा तेल रिसाव था। वर्तमान में यह कैलिफोर्निया का अब तक का सबसे बड़ा तेल रिसाव बना हुआ है।

1969 में कैलिफोर्निया में तेल की खुदाई के समय भयंकर दुर्घटना हुई जिससे तेल समुद्र में फैल गया। तेल रिसाव को नियंत्रण करना प्रशासन के लिए मुश्किल चुनौती हो गया था। रिसाव के शुरूआती 11 दिनों में तेल प्रति घंटे 9 हजार गैलन की दर से समुद्र में फैल रहा था। जब तक तेल की लीकेज को रोका गया, तब तक करीब 30 लाख गैलन (415 ऑलिंपिक पूल के बराबर) का तेल 35 मील दायरे में फैल चुका था।

वो तेल रिसाव जिससे पैदा हुआ 'अर्थ डे' का विचार

तेल रिसाव के विरोध में सांता बारबरा के निवासी हरकत में आ गए। दुर्घटना के एक हफ्ते के भीतर, स्थानीय कार्यकर्ताओं ने 'गेट ऑयल आउट' नाम का एक समूह बनाया। इसने सरकार से सांता बारबरा चैनल में तेल की ड्रिलिंग बंद करने की मांग की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेल रिसाव से हुए प्रदूषण से 3 हजार से ज्यादा समुद्री पक्षियों की जान चली गई। पानी के बहाव के साथ उनके मृत शरीर कैलिफोर्निया के बीच पर इकट्ठा होने लगें।

'तेल रिसाव ने अंतरात्मा को प्रभावित किया'

देखते ही देखते कैलिफोर्निया का तेल रिसाव एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। बड़े-बड़े नेता दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। इनमें से एक तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन भी थे। उन्होंने पूरी स्थिति पर कहा, 'सांता बारबरा घटना ने स्पष्ट रूप से अमेरिकी लोगों की अंतरात्मा को प्रभावित किया है।'

मामले का जायजा लेने अमेरिकन सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन भी सांता बारबरा पहुंचे थे। नेल्सन ने जब रिसाव से हुए नुकसान को देखा और उनके दिमाग में पर्यावरण पर एक राष्ट्रव्यापी शिक्षण का ख्याल आया। यहीं से पृथ्वी दिवस के विचार ने जड़ें जमा लीं।

22 अप्रैल तारीख क्यों चुनी गई?

सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने कैंपस टीच-इन को व्यवस्थित करने और इस विचार को व्यापक जनता तक पहुंचाने के लिए एक युवा कार्यकर्ता डेनिस हेस को भर्ती किया। वो चाहते थे कि ज्यादा से ज्यादा छात्र इसमें भाग लें। इसी वजह से 22 अप्रैल को चुना गया, जो स्प्रिंग ब्रेक और फाइनल परीक्षाओं के बीच पड़ता है। नेल्सन और हेस ने अपनी टीम के साथ पर्यायवरण संबंधी इवेंट्स का आयोजन किया। उस वक्त तक अर्थ डे जैसा कुछ नहीं होता था। वो तो अगले साल उन्होंने इस कैंपेन का नाम बदलकर पृथ्वी दिवस कर दिया। नए नाम से मीडिया का ध्यान भी उनकी ओर गया और पूरे देश में इसकी चर्चा हुई। earthday की रिपोर्ट के मुताबित, उस समय पृथ्वी दिवस ने 2 करोड़ अमेरिकियों को प्रेरित किया, जो कुल आबादी का 10 प्रतिशत था।

अर्थ डे का क्या असर हुआ?

पृथ्वी दिवस पर भागीदार लगातार बढ़ती गई। इससे अमेरिकी सरकार पर भी राजनीतिक दबाव बना। 1970 के अंत तक, अमेरिकी सरकार ने लोगों और पर्यावरण को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिमों से बचाने के लिए पर्यावरण संरक्षण एजेंसी का गठन कर दिया। इसके अलावा सरकार ने अपनी तरह के पहले पर्यावरण कानूनों को पारित किया जिसमेंक्लिन एयर एक्ट, क्लिन वाटर एक्ट और नेशनल एनवायरनमेंट एजुकेशन एक्ट का पारित किया।

पहाड़ों की वादियों में गुम श्रद्धा, फोटोज शेयर कर कहा, 'किसी की मजाल है जो...'

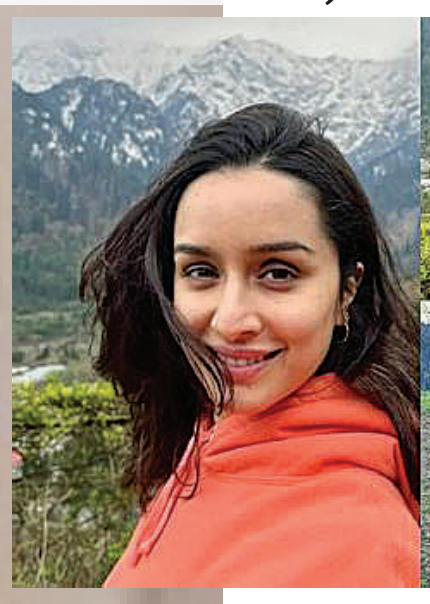

प्रचण्ड समय

पहाड़ों में एनिमल लवर बनीं श्रद्धा कपूर

अदाकारा श्रद्धा कपूर की ये तस्वीर भी फैंस का दिल जीत ले गई है। इस तस्वर में अदाकारा श्रद्धा कपूर पहाड़ी जानवरों पर प्यार लुटाती दिखीं। ये तस्वीरें लोगों का ध्यान खींच ले गईं। अदाकारा श्रद्धा कपूर ने सामने आईं तस्वीरों में सुहावने मौसम की झलक फैंस को दिखाई है। यहां कि खूबसूरती देखते ही बनती है। हालांकि अदाकारा ने ये नहीं बताया कि वो किस जगह पर हैं। अदाकारा श्रद्धा कपूर ने इस दौरान कैमरे में यादगार पल कैद कर लिए। अदाकारा की ये तस्वीरें देख फैंस का भी घूमने जाने का प्लान करने लगेगा।

मुंबई. बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। उनकी तस्वीरों के साथ-साथ एक्ट्रेस के मजेदार कैप्शन्स भी फैंस का दिल जीत लेते हैं। अब हाल ही में अदाकारा श्रद्धा कपूर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जिसमें अदाकारा पहाड़ों की वादियों में घूमती दिख रही हैं। इन तस्वीरों के साथ ही अदाकारा ने एक बेहद मजेदार कैप्शन दिया है। जो एक बार फिर श्रद्धा कपूर के फैंस का भी दिल जीत ले गई हैं। अदाकारा श्रद्धा कपूर की इन तस्वीरों पर लोग भी जमकर कमेंट्स करते दिखे।

श्रद्धा कपूर ने दिखाई हिल वेकेशन की तस्वीरें

अदाकारा श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में हिल वेकेशन तस्वीरों की झलक दिखाई है। सामने आईं इन बेहद खूबसूरत तस्वीरों में अदाकारा श्रद्धा कपूर बेहद खूबसूर नजर आईं।

ये तस्वीरें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'मजाल है कोई मुझे यहां से ले जाए।' जिसके बाद ये कैप्शन भी फैंस का दिल जीत ले गया। जिसके बाद लोगों ने भी मजेदार कमेंट्स किए हैं।

श्रद्धा कपूर ने लोगों से पूछा ये सवाल

ये तस्वीरें शेयर कर अदाकारा श्रद्धा कपूर ने फैंस से भी एक दिलचस्प सवाल किया था। अदाकारा ने तस्वीरें शेयर कर पूछा कि 'बताओ मैं कहां हूं।' जिसके बाद लोग भी कई खूबसूरत जगहों के नाम लेकर गैस करने लगे। अदाकारा श्रद्धा कपूर ने इस तस्वीर में अपनी सनकिस्ड फोटो शेयर की है। जिसमें अदाकारा की स्किन खूब ग्लो करती दिखी। अदाकारा की ये तस्वीरें देख फैंस भी उनकी सुंदरता में खोते दिखे।

डीपफेक वीडियो से तंग आकर रणवीर सिंह ने खोला मोर्चा, लिया कानूनी एक्शन

प्रचण्ड समय

मुंबई. बॉलीवुड के स्टार एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों सुर्खियों में छाए हुए हैं। हाल ही में रणवीर सिंह का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो पीएम मोदी के खिलाफ बोलते नजर आ रहे थे। इस क्लिप की वजह से काफी विवाद हुआ था। हालांकि बाद में पता चला कि रणवीर सिंह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डीपफेक टेक्नोलॉजी का शिकार हो गए है। रणवीर सिंह का वो वीडियो फर्जी निकला। इस बीच अब रणवीर सिंह एक्शन में आ गए हैं। जानकारी के मुताबिक रणवीर ने डीपफेक वीडियो के संबंध में पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

रणवीर सिंह ने लिया एक्शन

डीपफेक टेक्नोलॉजी का शिकार होने के बाद रणवीर सिंह अब एक्शन में आ गए हैं। रणवीर सिंह के आधिकारिक प्रवक्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात पर मुहर लगा दी है। प्रवक्ता ने कहा, 'हां, हमने पुलिस में इसके खिलाफ शिकायत दर्ज की है।' रणवीर सिंह का ये वीडियो ऐसे समय पर वायरल हो रहा है जब देश में लोकसभा चुनाव की शुरुआत हो गई है। बता दें कि फर्जी वीडियो में रणवीर सिंह ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा है। अब देखना ये दिलचस्पा होगा कि पुलिस इस मामले में कब तक कार्रवाई करती है। इससे पहले भी बॉलीवुड के कई सितारों का डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इस लिस्ट में आमिर खान से लेकर रश्मिका मंदाना तक के नाम शामिल हैं। बीते दिनों आमिर खान का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो क्रांगेस के लिए वोट मांगते नजर आ रहे हैं। हालांकि ये वीडियो भी फर्जी था।

अजय देवगन की 'दे दे प्यार दे 2' में हुई इस धांसू स्टार की एंट्री, नाम जानकर कहेंगे, 'ब्लॉकबस्टर होगी बॉस'

प्रचण्ड समय

मुंबई. सुपरस्टार अजय देवगन स्टारर फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में बॉलीवुड स्टार अनिल कपूर की धमाकेदार एंट्री हो चुकी है। इस बात की जानकारी फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने दी है। सूत्र के मुताबिक अनिल कपूर को जब इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया तो वो उन्हें कहानी बहुत पसंद आई औ उन्होंने तुरंत इसके लिए हां कह दी। सूत्र ने बताया कि दे दे प्यार दे 2 में कॉमेडी पहले से भी ज्यादा जबरदस्त है। ये अपने प्रीक्वल से भी ज्यादा दिलचस्प और कॉमेडी से भरी फिल्म होगी। जिसमें अजय देवगन और अनिल कपूर के बीच जबरदस्त बॉन्डिंग जुगलबंदी दिखेगी।

रकुल प्रीत सिंह के पिता का किरदार निभाएंगे अनिल कपूर

इतना ही नहीं, सूत्र ने बताया कि मूवी में अजय देवगन और अनिल कपूर के बीच एक जबरदस्त टसल देखने को मिलेगी। दोनों ही जबरदस्त स्टार हैं और इससे पहले दोनों ने ऐसी इक्विवेशन ऑन स्क्रीन नहीं निभाई है। जिसे लेकर फैंस में भी भारी उत्साह है। इन रिपोर्ट्स के साथ ही चर्चाएं हैं कि मूवी में अजय देवगन का किरदार रकुल प्रीत सिंह के पिता का होगा। जिसकी वजह से फिल्म को लेकर फैंस के बीच खासा बज है। याद दिला दें कि पहले पार्ट में रकुल प्रीत सिंह अजय देवगन के परिवार से मिली थी। कयास हैं कि दूसरे पार्ट में अजय देवगन रकुल प्रीत सिंह के परिवार से मिलेंगे और उन्हें शादी के लिए मनाएंगे।

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।